सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

RNI NO-UPHIN/2023/84340

नगर संस्करण | hpshukla50@gmail.com | शुक्रवार, 27 दिसंबर 2024 | वर्ष: 02, अंक: 312, पृष्ठ: 8, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर होगा 7 दिन का राष्ट्रीय शोक, राज्यकीय सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

खामोश हुए 'हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी' कहने वाले पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, हल्द्वानी से रहा गहरा संबंध

नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिल्ली के एम्स में गुरुवार रात निधन हो गया। डॉ. मनमोहन सिंह ने रात 9 बजकर 51 मिनट पर अंतिम सांस ली। केंद्र सरकार इस दुख की इस घड़ी में 7 दिन का राष्ट्रीय शोक घोषित करेगी। भारत सरकार के सूत्रों के अनुसार शुक्रवार को 11 बजे पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिए कैबिनेट की बैठक होगी। इसके साथ कल होने वाले सभी सरकारी कार्यक्रम रद्द किए जाएंगे। डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। डॉ. मनमोहन लंबे समय से अस्वस्थ थे। गुरुवार को रात आठ बजे उन्हें सांस लेने में तकलीफ हुई। जिसके बाद वे बेहोश होगे। उन्हें तुरंत दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह के निधन को लेकर दिल्ली एम्स ने विज्ञप्ति के जरिए बयान जारी किया। एम्स की ओर से बताया गया कि मनमोहन सिंह का 92 साल की उम्र में निधन हो गया है। वो उम्र से संबंधित बीमारियों से ग्रसित थे। आज अपने घर पर अचानक बेहोश हो गए थे। उन्हें रात 8:06 बजे एम्स के मेडिकल इमरजेंसी में लाया गया।

नैनीताल

हजारों जवाबों से अच्छी मेरी खामोशी कहने वाले देश के दो बार के प्रधानमंत्री पद्मभूषण पुरस्कार प्राप्त डॉ. मनमोहन सिंह का आज रात्रि 9 बजकर 51 मिनट पर 92 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। कम ही लोग जानते हैं कि डॉ. सिंह का नैनीताल जनपद व खासकर यहां हल्द्वानी से बहुत गहरा संबंध था। देश के विभाजन के दौरान उनका परिवार यहां रहा था। इस दुःखद अवसर पर डॉ. सिंह के हल्द्वानी से जुड़ाव की पूरी कहानी वर्ष 1947 में सिर्फ देश आजाद ही नहीं हुआ था बल्कि नक्शे पर भारत और पाकिस्तान नाम के दो देश भी बने। आजादी की लड़ाई की खूब चर्चा होती है लेकिन विभाजन का दंश जिसने झेला उसके दर्द को समझना उतना आसान नहीं। बंटवारे के बाद जो इधर आए या उधर गए, उन्हें बस एक नाम मिला 'रिफ्यूजी'। इतिहास गवाह है, आजाद भारत में रिफ्यूजी कहे जाने वालों ने विभिन्न क्षेत्रों में कामयाबी के जो झंडे गाड़े वह अतुलनीय है। उन्हीं में से एक नाम है डॉ. मनमोहन सिंह। इस बात पर कोई शक नहीं कि इस देश के सबसे काबिल अर्थशास्त्रियों में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का नाम शुमार है। देश की आम जनता हो या भारतीय राजनेता। पार्टी लाइन से हटकर भी डॉ. मनमोहन सिंह की खुले दिल से सभी प्रशंसा करते हैं। संघर्षों से भरे डॉ. सिंह के जीवन की कई रोचक बातें हैं, जिनसे आज भी बहुत लोग अनजान हैं।

'फादर किल्ड, मदर सेफ'

भारत विभाजन से पहले डॉ. मनमोहन सिंह का परिवार पेशावर में रहता था। विभाजन के वक्त डॉ. मनमोहन सिंह की उम्र महज 14 साल थी। पेशावर में उनके पिता एक निजी कंपनी में साधारण से क्लर्क थे। विभाजन के दंगों में डॉ. मनमोहन सिंह के दादाजी की भी हत्या हुई थी। उस घटना को याद करते हुए डॉ. सिंह ने एक बार कहा था कि हमारे पिताजी को चाचा ने तब चार शब्दों का एक टेलीग्राम किया था। जिसमें लिखा था- "फादर किल्ड, मदर सेफ।"

विभाजन के वक्त मनमोहन हल्द्वानी में थे आजादी के बाद उन दिनों भारत के विभाजन पर राष्ट्रीय स्तर पर बातचीत चल रही थी। डॉ. मनमोहन सिंह के पिता ने देश विभाजन से दो-तीन महीने पहले ही उत्तर प्रदेश के हल्द्वानी शहर (अब उत्तराखंड) में बसने के विषय में सोच लिया था। हल्द्वानी में उनके पिता के व्यापार के चलते कुछ लोगों से संबंध थे। उन्हें उम्मीद थी कि वे लोग उन्हें यहां अस्थाई तौर पर बसने में

मदद करेंगे। मई-जून के मध्य का महीना था। डॉ. मनमोहन सिंह का परिवार हल्द्वानी के लिए निकल पड़ा। अपनी इस यात्रा के बारे में डॉ. सिंह ने कहा था, "हम ट्रेन से लाहौर, अमृतसर, सहारनपुर, बरेली जैसे कई बड़े शहरों से होते हुए हल्द्वानी पहुंचे थे।"

विभाजन से पहले चले आए थे भारत

डॉ. मनमोहन सिंह की यह यात्रा भारत विभाजन की तारीख से कुछ महीनों पहले की थी। यही वजह थी कि मनमोहन और उनका परिवार बिना किसी ज्यादा परेशानी के हल्द्वानी पहुंच गए। उनके पिता ने अपने परिवार के लिए हल्द्वानी में रहने की अस्थाई व्यवस्था की और खुद फिर से नौकरी के लिए पेशावर लौट गए।

पिता के इंतजार में काठगोदाम स्टेशन पर बैठे रहते

दिसंबर 1947 तक का समय डॉ. मनमोहन सिंह के लिए काफी कठिन रहा। उन्होंने उस समय को याद करते हुए कहा है कि उन्हें नहीं पता था कि उनके पिता कहां और कैसे हैं। देश में हो रहे भयानक दंगों के बीच वह हर सुबह काठगोदाम रेलवे स्टेशन इस उम्मीद से जाकर बैठ जाते कि शायद आज आने वाली ट्रेन में उनके पिता भी हों। आखिरकार, पिता के लिए उनका ये इंतजार उस दिन खत्म हुआ जब शरणार्थियों के एक काफिले के साथ किसी तरह उनके पिता गुरुमुख सिंह भारत लौट आए। इस दौरान उनकी माता अमृत कौर ने मुश्किलों के बीच परिवार को संभाला।

परिवार अमृतसर में बस गया

हल्द्वानी आकर उन्होंने परिवार के साथ भारत में किसी नए काम की तलाश शुरू की। इसी क्रम में बाद में उन्होंने अमृतसर जाकर एक किराने की दुकान खोली। धीरे-धीरे एक बार फिर जीवन पटरियों पर लौट आया। यह अनसुनी कहानी मल्लिका अहलूवालिया की किताब 'डिवाइडेड बाय पार्टीशन यूनाइटेड साइलेंस' से ली गई है।

कैम्ब्रिज और ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से की पढ़ाई

मनमोहन सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत (वर्तमान पाकिस्तान) के पंजाब प्रांत में 26 सितंबर 1932 को हुआ था। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के वक्त मनमोहन सिंह का परिवार भारत चला आया था। बाद में इनका परिवार अमृतसर में बस गया। मनमोहन सिंह ने पंजाब यूनिवर्सिटी से ग्रेजुएशन और तथा पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी गए। वहां से उन्होंने पीएचडी की। बाद में उन्होंने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से डी.फिल.किया। उनकी पुस्तक 'इंडियाज एक्सपोर्ट ट्रेंड्स एंड प्रोस्पेक्ट्स फॉर सेल्फ सस्टेंड ग्रोथ' भारत की अंतमुर्खी व्यापार नीति की पहली और सटीक आलोचना मानी जाती है।

शानदार रहा करियर

डॉ. मनमोहन सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी प्रसिद्धि पाई। वे पंजाब यूनिवर्सिटी और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में प्रोफेसर रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे। 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ.मनमोहन सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किए गए थे। इसके तुरंत बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अध्यक्ष भी रहे।

वित्त मंत्री के रूप में लिया क्रांतिकारी फैसला

भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया, जब डॉ. सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री रहे। उन्हें भारत के आर्थिक सुधारों का प्रणेता माना गया। आम जनमानस में ये साल निश्चित रूप से डॉ. मनमोहन सिंह के व्यक्तित्व के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। डॉ. सिंह के परिवार में उनकी पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं।

डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन के महत्वपूर्ण पड़ाव:

- 1957 से 1965 तक चंडीगढ़ स्थित पंजाब विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ।
- 1969 से 1971 तक दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के प्रोफेसर।
- 1976 में दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में मानद प्रोफेसर।
- 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर।
- 1985 से 1987 तक योजना आयोग के उपाध्यक्ष।
- 1990 से 1991 तक भारतीय प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार।
- 1991 में नरसिंह राव के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार में वित्त मंत्री।- 1991 में असम से राज्यसभा सदस्य
- 1995 दूसरी बार राज्यसभा सदस्य।
- 1996 दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में मानद प्रोफेसर।
- 1999 में दक्षिण दिल्ली से लोकसभा का चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए ।
- 2001 में तीसरी बार राज्यसभा सदस्य और सदन में विपक्ष के नेता ।
- 2004 में भारत के प्रधानमंत्री बने।इसके अतिरिक्त उन्होंने अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और एशियाई विकास बैंक के लिए भी कई महत्वपूर्ण काम किया है।
- 26 दिसंबर 2024 को देहांत।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

ओवरलोड बालू लदे तीन ट्रक ट्रैकों पर की कार्रवाई लाखों रुपए राजस्व किया गया वसूल

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। थाना कोतवाली नगर पुलिस व खनन विभाग की संयुक्त टीमों द्वारा देर रात को गिट्टी/मोरंग/बालू के अवैध खनन, अवैध भंडारण, अवैध परिवहन के विरुद्ध चलाये गये संयुक्त अभियान के क्रम में तीन वाहनों का चालान किया गया । उक्त कार्यवाही से 1,58,700/- रुपये का राजस्व वसूल किया गया ।

प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर तारकेश्वर राय ने बताया कि ओवर लोड ट्रेकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई किया जा रहा है।

फतेहपुर पुलिस का चला अभियान, 10 अभियुक्त गिरफ्तार, सैकड़ों लीटर कच्ची शराब बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। अपर पुलिस महानिदेशक प्रयागराज जोन भानु भास्कर व आईजी रेंज के निर्देशों में अवैध शराब के निर्माण एवं तस्करी के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के पर्वेक्षण में थाना स्तर पर टीमें गठित कर कुल 40 स्थानों पर दबिश दी गयी, जहां से 10 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कब्जे से कुल 120 लीटर अवैध शराब, 12.4 ली0 अवैध देशी शराब व 4.860 ली0 अंग्रेजी शराब बरामद की गयी तथा मौके से कुल 2.8 कुंतल लहन नष्ट कराया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर सम्बन्धित थानों पर अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है।

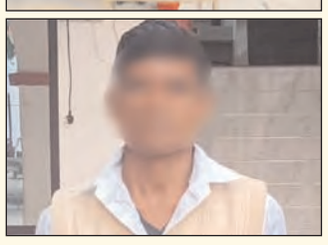

जाफरगंज पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना जाफरगंज पुलिस द्वारा डीपी एक्ट से सम्बंधित वांछित ज्ञानेन्द्र सिंह यादव पुत्र ओमप्रकाश यादव निवासी पालीखेडा मजरा मुहार थाना कल्याणपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

डीपी एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना सुल्तानपुर घोष पुलिस द्वारा डीपी एक्ट से सम्बंधित वांछित शिवकुमार पुत्र हरी प्रसाद निवासी ग्राम निहालपुर सानी थाना सु0घोष जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार करने वाली टीम

थानाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार त्रिपाठी, थाना सुल्तानपुर घोष, उ0नि0 दिलीप कुमार थाना सुल्तानपुर घोष जनपद फतेहपुर ।

एसपी ने पुलिस आरक्षी पदों पर सीधी भर्ती-2023ह्व को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत निरीक्षण किया

सबसे तेज प्रयागराज

कुशीनगर। पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा द्वारा पुलिस लाइन कुशीनगर में चल रहे उ०प्र० पुलिस आरक्षी ना.पु. के पदों पर सीधी भर्ती-2023 की अभिलेखों की संवीक्षा एवं शारीरिक मानक परीक्षणह्व को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराए जाने के दृष्टिगत निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। नोडल अधिकारी, अपील अधिकारी, ऊह्र/ढरळ दल के नामित अधिकारियों को शासन द्वारा जारी दिशा निदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने हेतु निर्देशित किया गया।

इस दौरान, चिकित्सक क्षेत्राधिकारी सदर अभिषेक प्रताप अजेय, प्रतिसार निरीक्षक, पीआरओ कुशीनगर व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

फूलपुर में मानक के अनुरूप नहीं बन रही सड़क

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। फूलपुर क्षेत्र में इन दिनों महाकुंभ के चलते प्रयागराज को जोड़ने वाली सभी सड़कों की मरम्मत लेपन कार्य युद्ध स्तर पर दिन रात चल रहा है। लेकिन उक्त सड़कों का कार्य मानक विहीन होने के चलते क्षेत्र वासियों में आक्रोश है। कार्यदाई संस्था द्वारा सरकार निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति हेतु दिन-रात फूलपुर क्षेत्र में सड़कों का लेपन कार्य चल रहा है। परंतु लक्ष्य की पूर्ति हेतु संबंधित कार्यदाई संस्था द्वारा जल्द बाजी में जैसे तैसे माल डालकर रोलर दौड़ा दिया जा रहा है। लेपन कार्य में लगे लोग मानक भी नहीं बताते सड़कों पर पूर्व में हो गए गड्ढों को भी नियमानुसार बंद करके समतलीकरण भी नहीं किया जा रहा है। सामाजिक कार्यकर्ता राकेश मोदनवाल, पप्पू मोदनवाल, दिवाकर दुबे ,रमाकांत गुप्ता, मनोज गुप्ता, पुट्टी लाल गुप्ता, हिमांशु दुबे, रहमान फिरोज आदि ने लोक निर्माण विभाग खंड 4 के अधिकारियों से फूलपुर मुबारकपुर रोड की मैलहन बाजार का निरीक्षण करके नियमानुसार कार्य हेतु संस्था को निर्देशित करने की मांग की है।

मिशन शक्ति टीम ने नन्हे मुन्ने बच्चों को भी किया जागरूक

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी श्री बृजेश कुमार श्रीवास्तव के निर्देशन में जनपद के विभिन्न थानों के थाना प्रभारी व महिला बीट उपनिरीक्षक/आरक्षियों द्वारा चौराहों/बस स्टैण्ड/टैक्सी स्टैण्ड/जिला अस्पताल/विद्यालय/गांव व कस्बा में भ्रमण कर/चौपाल लगाकर मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस क्रम में थाना करारी पुलिस टीम द्वारा कस्बा करारी मे जाकर, थाना कौशाम्बी पुलिस टीम द्वारा ग्राम आमाकुवा मे भ्रमणशील रहकर, थाना संदीपन घाट पुलिस टीम द्वारा ग्राम सुखदा मे जाकर, थाना पश्चिम शरीर पुलिस टीम द्वारा कस्बा पश्चिम शरीरा मे भ्रमण कर, थाना मंझनपुर पुलिस टीम द्वारा टेवा व डायट मैदान मे जाकर, महिला थाना पुलिस टीम द्वारा प्राथमिक विद्यालय टेवा मे चौपाल लगाकर तथा थाना कडाधाम, मोहब्बतपुर पाइंसा एवं थाना महेवाघाट पुलिस

टीम द्वारा अपने अपने थाना क्षेत्र मे भ्रमण कर/चौपाल लगाकर/कार्यक्रम का आयोजन कर बच्चियों/छात्राओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन कार्यक्रम के बारे में जागरूक किया गया तथा उनके प्रति होने वाले किसी भी अपराध एवं संबंधित अपराधियों के बारे में तत्काल पुलिस एवं शक्ति मित्र महिला पुलिसकर्मियों अथवा थानों में बने महिला हेल्प डेस्क पर सूचना देने के लिए जागरूक किया गया । महिलाओं एवं बच्चियों को पम्पलेट वितरित कर विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों के बारे में जैसे-*(1) 1076 मा० मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, (2) 1090 वीमन पावर हेल्पलाइन, (3) 1930 साइबर अपराध हेल्पलाइन, (4) 102 स्वास्थ सेवा, (5)108 एंबुलेंस सेवा, (6) 1098 चाइल्ड हेल्प लाइन, (7) 181 वन स्टाप सेन्टर, तथा (8) 112 पुलिस आपात कालीन सेवा आदि के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया तथा इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन का मोबाइल पर उपयोग करने हेतु डेमो दिखाया गया एवं महिला अपराध आदि की जानकारी देते हुए उनके अधिकारों के प्रति जागरुक किया गया तथा सरकार द्वारा जारी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं (1)सुरक्षित मातृत्व आश्वासन सुमन योजना (2)मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना (3)अभ्युदय योजना (4)मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना (5)निराश्रित महिलाओं को पेंशन योजना (6)राष्ट्रीय पोषण मिशन योजना (7) आयुष्मान योजना आदि* के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी दी गयी ।

पी एम किसान सम्मान निधि का लाभ लेने के लिए फॉर्मर रजिस्ट्रेशन जरूरी-धर्मपाल बिंद

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्राप्त करने के लिए केंद्र सरकार ने नया शासनादेश जारी किया है उक्त शासनादेश के तहत सभी किसानों को फॉर्मर रजिस्ट्रेशन होना जरूरी है उक्त बातें बृहस्पतिवार को फूलपुर क्षेत्र के कुतुबपुर गांव के ग्राम पंचायत पर लगे शिविर में किसानों को संबोधित करते हुए प्रधानपति धर्मपाल बिंद ने किसानों के बीच

कही उन्होंने कहा कि जिन किसानों के पास अपनी खुद की भूमि हो ऐसे लोग अपना अभिलेख लेकर पंचायत भवन पर पहुंच कर अपना फॉर्मर रजिस्ट्रेशन जरूर करा ले अन्यथा पी एम किसान सम्मान निधि से वंचित हो जाएंगे। इस मौके पर ग्राम प्रधान ऊषा देवी बिंद कृषि विभाग से आशीष मिश्रा हल्का लेखपाल मंजय मौर्य सहित पी एम किसान सम्मान निधि के लगभग 50 किसान लाभार्थी उपस्थित रहे।

कांग्रेस प्रदर्शन के दौरान कांग्रेसी प्रभात के मृत्यु की हो निष्पक्ष जांच

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिला कांग्रेस कमेटी ने जिलाध्यक्ष कौशांबी के गौरव पांडे की अध्यक्षता में एक ज्ञापन महामहिम राज्यपाल के नाम जिलाधिकारी कौशांबी के माध्यम से जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया जिसमें मांग की गई की उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा 18 12 24 को लखनऊ में आयोजित विधानसभा ग्रो कार्यक्रम के दौरान पुलिसिया बर्बाद बर्बरता के कारण एक युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता पूर्व सचिव स्वर्गीय प्रभात पांडेय की दुखद मृत्यु हो गई थी इसकी जांच के लिए जिलाध्यक्ष ने मांग की के स्वर्ग या प्रभात पांडेय की हुई मृत्यु की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए ज्ञापन देने के पश्चात मीडिया को संबोधित करते हुए जिला सचिव कौशांबी के प्रभारी राजेश साहनी ने कहा की विरोध करना हमारा लोकतांत्रिक अधिकार है जिस प्रकार

सरकार के इशारे पर पुलिस के पास बताना से युवा कांग्रेस के सिपाही की मृत्यु हुई है उसकी जिम्मेदार कहीं ना कहीं उत्तर प्रदेश के सरकार के साथ पुलिस प्रशासन भी है मीडिया को संबोधित करते हुए करते वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राम बहादुर त्रिपाठी ने कहा की सरकार विरोध करने पर इतनी बार वार्ता से पेश आती है की किसी आम जनता को इसमें कितना नुकसान हो जाए यह नहीं देखी वही मीडिया को संबोधित करते हुए वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राजेंद्र त्रिपाठी ने शाहिद कांग्रेस के सिपाही प्रभात पांडे को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शाहिद प्रभात पांडे की शहादत बर्बाद नहीं जाएगी और कांग्रेस पार्टी इसका पूरा हिसाब बीजेपी से लगी वह मीडिया को संबोधित करते हुए वरिष्ठ उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू ने कहा की प्रभात पांडे की मृत्यु बहुत ही दुखद है और उसके परिवार के लिए प्रदेश अध्यक्ष अजय राय जी ने पूरा श्वसन दिया है कि इस मृत्यु की घड़ी में इस दुख की घड़ी में हम कांग्रेस जान स्वर्गीय प्रभात के परिवार के साथ हैं और उसको पूरा न्याय दिलाने का काम किया जाएगा ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष गौरव पांडे ,प्रदेश सचिव राजेश साहनी , उपाध्यक्ष आशीष मिश्रा पप्पू , वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राम बहादुर त्रिपाठी , राजेंद्र त्रिपाठी , नैयर रिजवी, महासचिव कौशलेश द्विवेदी, राम सूरत रैदास, राज बहादुर चौधरी , शहनाज अली ,मोहम्मद फरमान जिला , अमित द्विवेदी आजाद , युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष अलकमा उस्मानी ,सचिव अशोक दुबे , फौजिया,शिवम तिवारी , आशीष द्विवेदी , संतोष कुमार शुक्ला ,अर्श खुर्शीद ,मोहम्मद शफीक , विजय यादव नसीमुद्दीन , ब्लॉक अध्यक्ष मोहम्मद मुस्लिम , निक्की पाण्डेय , सोशल मीडिया प्रदेश सचिव मोहम्मद शाहरुख, नूरतजमा , कैलाश केशरवानी,विवेक मिश्रा,मो0 शाहरुख , सचिन पांडे बालेंद्र सिंह यादव ,शाश्वत पांडे कुमार , हेमन्त रावत , अमृत लाल , छोटे लाल , इंद्रपाल बाबूलाल।

शिवम हत्याकाण्ड का सफल अनावरण कर अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार, आलाकत्ल व मोबाइल बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। 23 दिसंबर को वादी सुशील कुमार तिवारी पुत्र मिश्रीलाल निवासी ग्राम लालापुर थाना जहांगीराबाद जनपद बाराबंकी द्वारा सूचना दिया गया कि मेरा पुत्र शिवम कुमार तिवारी उम्र करीब 18 वर्ष दिनांक-22.12.2024 को घर से बीएससी-प्रथम वर्ष की परीक्षा देने कॉलेज गया था। परीक्षा देने के बाद वह एस0डी0 इण्डस्ट्रीज, चौपुला के पास एक दुकान पर पार्ट टाइम काम करने चला गया था, जहां से वह शाम करीब 07.20 बजे, अपनी मोटर साइकिल से घर के लिए निकला था, किन्तु घर नहीं आया है। उक्त सूचना पर थाना मसौली पर गुमशुदगी पंजीकृत की गई। जांच से ज्ञात हुआ कि शहावपुर नहर पुलिया के पास जय सिंह गौतम पुत्र ब्रम्हानन्द गौतम निवासी पहलीपार मजरे सुरसण्डा थाना मसौली जनपद बाराबंकी द्वारा शिवम की हत्या कर दी गई एवं पुलिस से बचने के लिए शव एवं मोटर साइकिल को नहर में फेंक दिया गया। स्थानीय पुलिस एवं एसडीआरएफ टीम द्वारा नहर में तत्काल शिवम के शव की तलाश हेतु हर सम्भव प्रयास प्रारम्भ करते हुए दिनांक-25.12.2024 को शिवम उपरोक्त के शव को बरामद कर लिया गया। पुलिस टीम द्वारा डिजिटल डेटा व मैनुअल इंटेलीजेंस की मदद से घटना का सफल अनावरण करते हुए गुरुवार को अभियुक्त जय सिंह गौतम पुत्र ब्रम्हानन्द गौतम निवासी पहलीपार मजरे सुरसण्डा थाना मसौली जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे/निशांदेही से एक अदद मोबाइल फोन व आलाकत्ल एक अदद कुल्हाड़ी बरामद किया गया। पूछताछ एवं जांच से ज्ञात हुआ कि अभियुक्त जय सिंह गौतम व मृतक शिवम की बहन एक साथ एक ही कॉलेज में पढ़ते हैं, जिससे दोनों के मध्य घनिष्ठता हो गई और अभियुक्त जय सिंह गौतम उसके घर भी आता जाता था। अभियुक्त व मृतक की बहन के मध्य प्रेम सम्बन्ध की जानकारी मृतक को होने पर उसने इसका विरोध किया एवं अभियुक्त जय सिंह गौतम को अपने घर आने से रोक दिया। इसी कारण अभियुक्त जय सिंह गौतम, मृतक शिवम से रंजिश रखने लगा था। दिनांक- 22.12.2024 को सायं अभियुक्त जय सिंह गौतम द्वारा मृतक शिवम की हत्या करने के उद्देश्य से शहावपुर बाजार से कुल्हाड़ी खरीदी एवं रसौली क्रासिंग के पास स्थित दुकान से शराब व चाउमीन खरीद कर मृतक शिवम को फोन कर अपनी छोटी बहन के बेटी होने की खुशी में पार्टी देने के लिए शहावपुर नहर पुलिया पर बुलाया तथा दोनों ने साथ में बैठकर शराब पिया। अभियुक्त जय सिंह गौतम ने मौका देखकर शिवम के सिर पर कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दिया तथा शव व मोटरसाइकिल को छिपाने के उद्देश्य से नहर में फेंक दिया। दिनांक 20 व 21 दिसम्बर को भी अभियुक्त द्वारा शिवम को शहावपुर नहर पुलिया पर बुलाकर हत्या करने की योजना बनाई थी, किन्तु सफल नहीं हुआ था।

दुष्कर्म का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

झूंसी/ प्रयागराज। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुनावत के निर्देश पर सराय इनायत पुलिस दुष्कर्म के वांछित आरोपी की तलाश में मुखबिर की सूचना पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

थानाध्यक्ष सराय इनायत संजय गुप्ता ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव की एक नाबालिग किशोरी के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में वांछित चल रहे अभियुक्त आरिफ अंसारी पुत्र हबीबउल्ला उर्फ बुल्ला कबाडी निवासी ग्राम पट्टीधीना उर्फ लालापुर थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत मुनतजीपुर स्थित पानी टंकी के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी।

अवैध देशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

झूंसी। थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा देर रात को अभियुक्त रामनगीना उर्फ रामलखन पुत्र स्व0 घीराऊ निवासी कुआडीह थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम सीहीपुर स्थित रेलवे फाटक पास से तथा अभियुक्त . राकेश कुमार पटेल उर्फ मुन्ना पुत्र स्व0 हरीलाल निवासी धमोइया थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज को 10 लीटर अवैध देशी शराब के साथ थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत ग्राम डुडही स्थित रिठैया जाने वाले मार्ग के पास से गिरफ्तार किया गया ।

चांदपुर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । पुलिस अधीक्षक फतेहपुर धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में गुरुवार को थाना चांदपुर पुलिस द्वारा वारंटी अभियुक्त चुन्नू जमादार पुत्र इन्दल नि0ग्राम भिखनीपुर थाना चांदपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

गिरफ्तार करने वाली टीम

उ0नि0 धीरेन्द्र कुमार पाण्डेय थाना चांदपुर, का0 बृजेश कुमार वर्मा।

गुण्डा नियंत्रण अधिनियम के तहत 2 अभियुक्तों को जनपद से 6 माह के लिए निष्कासित करने का आदेश पारित किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक बाराबंकी दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस द्वारा जनपद में गुण्डा व अभ्यस्त अपराधियों को चिन्हित कर उ0प्र0 गुण्डा नियंत्रण अधिनियम की धाराओं में जिलाधिकारी बाराबंकी को आख्या प्रेषित कर जनपद बाराबंकी की सीमाओं से 06 माह की अवधि के लिए निष्कासित कराने की कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस द्वारा अभ्यस्त 2 अपराधियों/अभियुक्तों अमरेश पुत्र श्रीराम . अरविन्द पुत्र रामशरन निवासीगण ग्राम टाड़पुर मजरे बसारी थाना मोहम्मदपुर खाला जनपद बाराबंकी के विरुद्ध मारपीट, गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी देने के सम्बन्ध में पंजीकृत किया गया है तथा साथ ही अभियुक्तों की आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहने सम्बन्धी बीट सूचना भी अंकित की गयी है। थाना मोहम्मदपुर खाला पुलिस द्वारा अभियुक्तगण अमरेश .अरविन्द उपरोक्त की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु चिन्हित कर जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी को आख्या प्रेषित की गई जिसके आधार पर जिला मजिस्ट्रेट बाराबंकी द्वारा जनपद से 06 माह की अवधि के लिए निष्कासित करने का आदेश पारित किया गया।

गाजीपुर पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

पुलिस अधीक्षक फतेहपुर श्री धवल जायसवाल के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में को थाना गाजीपुर पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्त मनोज चौहान पुत्र मैन बहादुर उर्फ गुड्डा निवासी भगवानपुर 20 थाना गाजीपुर जनपद फतेहपुर को गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय भेजा गया ।

कप्तान ने व्यापारियों के साथ की बैठक, सुनी समस्याएं

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। गुरुवार को पुलिस कार्यालय स्थित दुर्गा भाभी सभागार में पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी बृजेश कुमार श्रीवास्तव द्वारा जनपद के व्यापारी बन्धुओं के साथ बैठक आयोजित कर उनकी समस्याओं को सुना गया तथा व्यापारियों को समुचित सुरक्षा व सहयोग का भरोसा दिलाया गया। इस दौरान क्षेत्राधिकारी मंझनपुर शिवांक सिंह भी मौजूद रहे।

गुरुकुल मांटेसरी स्कूल में दिव्य कुंभ, भव्य कुंभ पर प्रदर्शनी आज

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। गुरुकुल मोंटेसरी स्कूल शांतिपुरम फाफामऊ में दिव्य कुंभ भव्य कुंभ पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन यूपी बोर्ड के पूर्व सचिव एवं विद्या भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल शुक्रवार को दोपहर 12 बजे विद्यालय के सभागार में करेंगे। इस अवसर पर कॉलेज के अध्यक्ष पूर्व आईपीएस कृपा शंकर सिंह, निदेशक वीरेंद्र सिंह, उपनिदेशक रितिज विक्रम सिंह, प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता मिश्रा, संस्थापिका प्रधानाचार्या श्रीमती अलका अग्रवाल सहित सभी शिक्षक, शिक्षिकाएं और बच्चे कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह जानकारी विद्यालय की उप प्रधानाचार्या डॉ वंदना सिंह ने दिया है। उन्होंने बताया कि यूपी बोर्ड के पूर्व सचिव और विद्या भारती के क्षेत्रीय अध्यक्ष दिव्यकांत शुक्ल बोर्ड के 10 वीं और 12 वीं के बोर्ड परीक्षार्थियों को बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंक लाने के टिप्स भी देंगे।

विमला देवी पीजी कॉलेज में नकल विहीन हो रही परीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

फूलपुर।रज्जू भैया विश्वविद्यालय से संबद्ध चल रही परीक्षा को लेकर भमई हुसामगंज स्थित एक पी जी कॉलेज पर कुछ लोगों द्वारा स्वार्थवश विद्यालय को बदनाम करने के लिए अफवाह जनक खबरे सोशल मीडिया पर फैलाई गई थी जिसके बाद कुछ क्षेत्रीय समाचार पत्रों ने भी उस खबर को प्रकाशित कर दिया था। जिसको लेकर श्रेत्र में तरह तरह की बात फैल रही थी। पूरा मामला जनपद प्रयागराज के फूलपुर के विमला देवी पी जी कॉलेज का है जहां पर स्नातक का परीक्षा चल रहा है जिसको लेकर कुछ क्षेत्रीय लोगों द्वारा सोशल मीडिया पर कॉलेज को बदनाम करने के नियत से झूठी खबर फैलाई गई कि विद्यालय में पैसा लेकर परीक्षा कराई जा रही है जिसको लेकर कुछ समाचार पत्र ने भी खबर को प्रकाशित कर दिया। फिलहाल किसी भी संस्था को बदनाम करने के नियत से विद्यालय प्रबंधन और स्कूल के परीक्षार्थी द्वारा बताया गया कि परीक्षा सूचिता पूर्ण ढंग से कराया जा रहा है जो विश्वविद्यालय और सरकार की गाइड लाइन है उसको ध्यान मे रखते हुए परीक्षा कराया जा रहा है।

अपहरण का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया। गुरुवार को हंड़िया पुलिस अपहरण में वांछित चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिखा पड़ी करते हुए जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक हंडिया बृज किशोर गौतम ने बताया कि क्षेत्र में वांछित वारंटी चल रहे एक अभियुक्त सुमित कुमार पुत्र सीताराम उर्फ लौहर निवासी रतीपुर सियाडीह थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रिखीपुर तिराहा के पास से गिरफ्तार किया गया तथा मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अपहृता/पीड़िता को सकुशल बरामद कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम प्र0नि0 बृजकिशोर गौतम, थाना हण्डिया, उ0नि0 नीरज मौर्या. उ0नि0 रिजवान असकरी,. म0उ0नि0 संगीता गौतम, थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज ।

सहायक आचार्य डा संतोष कुमार बने एम एल एन एम के मीडिया प्रभारी

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज प्रयागराज (एम एल एन एम कालेज) के सहायक आ जयचार्य सर्जरी विभाग डा संतोष कुमार सिंह को मेडिकल कॉलेज का मीडिया प्रभारी / मीडिया प्रवक्ता मनोनीत किया गया है। यह मनोनयन मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डा (प्रो) वत्सला मिश्रा ने आज किया है। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि इस दौरान सहायक आचार्य सर्जरी विभाग डा संतोष कुमार सिंह को इस जिम्मेदारी का कोई अतिरिक्त भत्ता इत्यादि देय नहीं होगा। उल्लेखनीय है कि मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के सहायक आचार्य सर्जरी विभाग डा संतोष कुमार सिंह व्यवहार कुशल, स्वच्छ छवि और मरीजों, जरूरतमंद लोगों की मदद करते हैं।

दुराचार का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । मऊआइमा पुलिस दुराचार के मामले में दो माह से फरार चल रहे एक आरोपी को गुरुवार गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

प्रभारी निरीक्षक मऊआइमा वीरेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देश पर चौकी प्रभारी धीरेन्द्र नाथ यादव अपने हमराहियों के साथ क्षेत्र में वांछित वारंटी की तलाश में मकर की सूचना पर दुष्कर्म के मामले में 2 माह से फरार चल रहा है वांछित अभियुक्त राहुल कुमार पुत्र सोना कुमार निवासी मीरपुर थाना रानीगंज जनपद प्रतापगढ़ को थाना मऊआइमा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम देवगलपुर तिराहे के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी ।

धूमधाम से मनाया गया महाविद्यालय में वीर बाल दिवस

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज । नवाबगंज इलाके के मलाक बलाऊ स्थित महाविद्यालय में बड़े ही धूमधाम से बाल दिवस मनाया गया । कार्यक्रम में सर्वप्रथम वीर बालक जोरावर सिंह और फतेह सिंह के सम्मान में उनकी शहादत को याद करते हुये दो मिनट का मौन धारण किया गया । तत्पश्चात प्राचार्य डा. के. एन. श्रीवास्तव द्वारा गुरु गोविन्द सिह जी के साहबजादों के त्याग, बलिदान और आपनी मातृ- भूमि के लिये सर्तत्व न्योछावर करने के संकल्प तथा देश- भक्ति की भावना के साथ मानवता के लिये अपने आप को बलिदान कर दिया। उनके इस पराक्रम को सदैव याद रखा जायेगा। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कार्यक्रम अधिकारी विवेक मिश्रा की देखरेख में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी तथा एन. एस. एस. के स्वयं सेवक, सेविका उपस्थित रहे।

रेलवे द्वारा महाकुम्भ 2025 के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक प्रबंध

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुम्भ 2025 के भव्य आयोजन के दौरान प्रयागराज, नैनी, सूबेदारगंज और छिवकी सहित सभी प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे ने व्यापक और अभूतपूर्व प्रबंध किए हैं।

रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के 18,000 से अधिक जवान प्रयागराज के 9 रेलवे स्टेशनों पर तैनात किए जाएंगे। इन जवानों की तैनाती का उद्देश्य किसी भी अप्रिय घटना को रोकना, यात्री सुरक्षा को सुनिश्चित करना और श्रद्धालुओं को एक सुगम एवं सुरक्षित यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

महाकुम्भ के दौरान अत्यधिक भीड़ को देखते हुए रेलवे ने विशेष रणनीति तैयार की है। रेलवे स्टेशनों पर तैनात आरपीएफ और जीआरपी कर्मी न केवल सुरक्षा निगरानी करेंगे, बल्कि यात्री सहायता के लिए भी सक्रिय रहेंगे। प्रमुख स्टेशनों पर सीसीटीवी कैमरों और अन्य निगरानी उपकरणों की संख्या बढ़ाई गई है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल प्रतिक्रिया दी जा सके। इसके अतिरिक्त, रेलवे स्टेशनों पर विशेष जांच चौकियां स्थापित की जाएंगी, जहां हर यात्री और सामान की सघन जांच की जाएगी।

आरपीएफ और जीआरपी कर्मियों को भीड़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। इन कर्मियों की तैनाती भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों, प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर, प्रवेश और निकास द्वारों सहित सभी संवेदनशील स्थानों पर की जाएगी। इसके अलावा, महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की भी विशेष तैनाती की जाएगी।

रेलवे सुरक्षा बल ने भीड़ नियंत्रण के लिए अत्याधुनिक उपकरणों का उपयोग करने की योजना बनाई है। इसमें मेटल डिटेक्टर, स्कैनर, और मोबाइल पेट्रोलिंग यूनिट शामिल हैं। रेलवे स्टेशन पर तैनात सुरक्षा कर्मी हर परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए तैयार रहेंगे।

महाकुम्भ के दौरान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त कार्यवाही से न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सभी यात्रियों को एक सुरक्षित और सहज यात्रा अनुभव प्राप्त हो। रेलवे ने सभी आवश्यक प्रबंध किए हैं ताकि इस ऐतिहासिक धार्मिक आयोजन के दौरान यात्रियों को किसी भी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े और महाकुम्भ 2025 एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित आयोजन बन सके।

महाकुंभ में पन्नू आए तो उनकी खैर नहीं

जूना अखाड़ा के जगद्गुरु भुवनेश्वरी नन्द गिरी ने दी पन्नू को चेतावनी

जगद्गुरु का तीर्थराज प्रयागराज के महाकुंभ में लग रहा शिविर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज । अखिल भारतीय हिन्दू सुरक्षा समिति व श्री हिन्दू तख्त के धमार्धीश, श्री काली माता मंदिर पटियाला,माँ कामाख्या देवी आसाम,माँ ज्वाला देवी हिमाचल के पीठाधीश्वर, ब्रह्मलीन जगद्गुरु स्वामी पंचानंद गिरी जी महाराज के उत्तराधिकारी एवं जूना अखाड़ा की जगद्गुरु भुवनेश्वरी नन्द गिरी महाराज ने खालिस्तानी संगठन के गुरपतवंत सिंह पन्नू को चेतावनी देते हुए कहा कि हम भारत के सनातनी गीदड़ धमकियों से डरने वाले नहीं हैं, अगर दम है भारत की धरती पर एक बार आकर तो दिखाओ।

जगद्गुरु भुवनेश्वरी नन्द गिरी महाराज तीर्थराज प्रयागराज के विश्व प्रसिद्ध महाकुंभ मेला में शिविर लगवा रही है। उन्होंने बताया कि खालिस्तानी समर्थक गुरपतवंत सिंह पन्नू जो की अपने आप को सिखों का नेता बताता है यह एक स्वयंभू नेता है जो आये दिन कभी कोई बयान देना क्योकि इसको चर्चा में रहना पसंद है ।

जगद्गुरु स्वामी भुवनेश्वरी नंद गिरी ने कहा कि विदेश में रह रहे भोले भाले लोगों को ठगना है ऐसे बयान देकर लोगों से फंडिंग लेना है और कुछ नहीं अब पंजाब और पुरे भारत के हिन्दू सिख भाईचारे को खराब करने के लिए इसने कुंभ को बाधित करने के जो विडीओ जारी किया है उसमे पन्नू ने बोला है कि यह कुंभ भारत का आखिरी कुंभ होगा। उसने खालिस्तानी और सनातन धर्म विरोधी समर्थकों से इस आयोजन के दौरान हिंदुत्व के हिंसक कार्रवाई का आवाहन किया है जो की कभी भी अपने मंसूबों में सफल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत में हिन्दू और सिख बहुत प्यार और एकता के साथ रहते है?

जगद्गुरु भुवनेश्वरी नन्द गिरी महाराज ने कहा कि पन्नू कुंभ पर हमलों के सपने विदेश की धरती पर बैठकर देख रहा है अगर अब कोई भी किसी तरह की सनातन धर्म के खिलाफ गलत बयान बाजी की तो पंजाब की धरती पर जो घर है सनातनियों और संतो के समूह के साथ वहां पर जा कर डेरा डाल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि हिन्दू और सिखों के भाईचारे का 1980 के आतंकवाद दौरान पहले ही बहुत नुकसान झेल चूका है पर अब तेरी मनघड़न्त बयानों का समूह पंजाबियों व भारतियों पर कोई असर नहीं होगा।

जगद्गुरु भुनेश्वरी नन्द गिरी महाराज ने कहा कि देश में हिन्दू, सिखों का बहुत अच्छा रिश्ता है जो कभी भी खराब नहीं होगा, जो कुछ पन्नू जैसे शरारती अनसर सोशल मिडिया पर ऐसे विडिओ डालकर और पंजाब और भारत के हिन्दुओं और सिखों के नोजवानो को बरगलाकर दरार डालना चाहते हैं वह कभी भी अपने मंसूबों में कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि भारत के सभी सनातनीयों ० सिखों और नौजवानों से अपील है ऐसे लोगों की बातों में न आकर और सभी मिलकर इस महाकुंभ में आकर स्नान करें ताकि ऐसे अलगावादियों मुंह पर तमाचा मारा जाए और केंद्र सरकार ने भी अपील किया है । विदेश से भारत में लाकर कठोर से कठोर आजीवन कारावास दिया जाए ताकि भविष्य में कोई भी ऐसा करने की दूर की कोई कल्पना भी न करें।

डीएम ने अलवारा झील के विकास एवं सौन्दर्यीकरण/जीर्णोद्धार कराये जाने के दृष्टिगत किया निरीक्षण

हनुमान प्रसाद शुक्ल

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी द्वारा आज अलवारा झील के पर्यटन एवं पर्यावरण की दृष्टि से विकास तथा सौन्दर्यीकरण/जीर्णोद्धार कराये जाने के दृष्टिगत पर्यटन, वन एवं सिंचाई विभाग द्वारा कराये जा रहें कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि समस्त कार्यों को इस प्रकार से कराया जाय कि प्रवासी पक्षियों के प्रवास में किसी भी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हों। उन्होंने उप जिलाधिकारी मंझनपुर को ग्राम काशीरामपुर की सरकारी भूमि पर पयर्टक दृष्टि से कार्यालय बनाये जाने के लिए जगह का चिन्हांकन करने के निर्देश दियें। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि झील से 500 मीटर दूर पर्यटकों के वाहनों की पार्किंग के लिए ग्रामसभा की भूमि का चिन्हांकन किया जाय, जिससे झील के पास पार्किंग न हो एवं पक्षियों को किसी भी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न होने पाये। उन्होंने वन विभाग एवं सिंचाई विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह के अन्दर अपने-अपने कार्यों को प्रारम्भ कराने के निर्देश दियें। इसी प्रकार उन्होंने वहा पर बनाये जाने वाले संग्रालय की भूमि का निरीक्षण किया तथा वन विभाग की भूमि को कब्जामुक्त कराने के लिए उप जिलाधिकारी एवं डीएफओ को निर्देशित किया। उन्होंने अलवारा झील में बढ़े हुए पानी की निकासी के लिए नाले के हो रहें निर्माण को देखा तथा नाले के निर्माण कार्य को गुणवत्तापूर्ण एवं समयान्तर्गत पूर्ण कराये जाने के निर्देश दियें। उन्हांने ग्राम प्रधान अलवारा एवं अधिशासी अभियंता सिंचाई को झील के बढ़े हुए पानी की निकासी शीघ्रातिशीघ्र कराने के निर्देश।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अजीत कुमार श्रीवास्तव, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रबुद्ध सिंह, उप जिलाधिकारी मंझनपुर आकाश सिंह, प्रभागीय वनाधिकारी राम सिंह यादव एवं अधिशासी अभियंता सिंचाई जगदीश लाल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

शिक्षक की फटकार के बाद स्कूल से लौटे छात्र की सड़क हादसे में मौत

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। चरवा थाना क्षेत्र के रैया देह माफी स्कूल में कक्षा 8 में पढ़ने वाला एक छात्र शिक्षक की फटकार के बाद स्कूल से 11:00 बजे बाहर निकल कर घर जा रहा था जैसे ही छात्र अयोध्या का पुरवा चौराहा के पास पहुंचा तेज गति ट्रक ने बालक को टक्कर मार दिया है जिससे बालक की दर्दनाक मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई है मामले की सूचना पुलिस को दी गई है मौके पर पहुंची पुलिस ने बालक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है परिवार में कोहराम मचा है। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के चंदई तारा गांव निवासी इरफान अली उम्र लगभग 15 वर्ष पुत्र मकसूद अली संयुक्त विद्यालय रैया देह माफी में कक्षा 8 की पढ़ाई कर रहा है गुरुवार की सुबह वह स्कूल गया था लेकिन किसी बात को लेकर स्कूल में शिक्षक ने उसे जमकर फटकार लगाई और डांट फटकार स्कूल से बाहर निकाल दिया शिक्षकों की फटकार के बाद इरफान अली घर के लिए निकला जैसे ही वह अयोध्या का पुरवा के पास पहुंचा तेज गति ट्रक ने टक्कर मार दिया है जिससे बालक की दर्दनाक मौत हो गई है मौत की जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई है परिवार में कोहराम मच गया है पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेज दिया।

वीर बाल दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। लालगोपालगंज में भाजपा नेता आफताब आलम उर्फ पप्पू कुरैशी के आवास पर वीर बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व चेयरमैन प्रदीप केसरवानी व अध्यक्ष संजय तिवारी रहे। कार्यक्रम से पूर्व गुरु गोविंद सिंह के छोटे शाहिबजादो जोरावर सिंह और उनके छोटे भाई बाबा फतेह सिंह के चित्र पर विधायक व अन्य लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। पूर्व चेयरमैन प्रदीप केसरवानी ने बीर बाल दिवस के जीवन पर प्रकाश डाला और उनकी वीरता के बारे में लोगों को बताया। मुख्य अतिथि विधायक गुरु प्रसाद मौर्य ने कहा कि हमारा राष्ट्र सर्वोपरि है। हम सबको राष्ट्र के प्रति पूरी ईमानदारी के साथ रहना चाहिए। उन्होंने महाकुंभ के विकास पर भी विस्तार से चर्चा की। इस मौके पर मुख्य रूप से भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा, महामंत्री राजेन्द्र केशरवानी, बसन्त लाल जायसवाल, कुलदीप त्रिपाठी, राजेंद्र अग्रवाल, श्याम जी मौर्या ,आलम प्रधान सहित दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

साहिबजादों ने धर्म और मानवता के लिए सबकुछ किया निछावर

वीर बाल दिवस कार्यक्रम मे बोले विधायक गुरु प्रसाद मौर्य

सबसे तेज प्रयागराज

लालगोपालगंज प्रयागराज । प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर गुरुवार को भाजपा नेता आफताब आलम उर्फ पप्पू कुरैशी के आवास पर भाजपाइयो ने वीर बालदिवस का आयोजन किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप मे फाफामऊ विधायक गुरू प्रसाद मौर्य तो जय श्री राम सेवा समिति के अध्यक्ष संजय तिवारी व प्रदीप केसरवानी विशिष्ट अतिथि के रूप मे समिल रहे कार्यक्रम को संबोधित करते हुये फाफामऊ विधायक ने बताया की यह दिन सिख धर्म के दसवें गुरु, गुरु गोबिंद सिंह जी के दो छोटे साहिबजादों, जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। इन युवा साहिबजादों ने धर्म और मानवता के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। इन्हीं के सम्मान और याद में वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है। भाजपा नेता आफताब आलम उर्फ पप्पू कुरैशी , भाजपा मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा, महामंत्री राजेन्द्र केशरवानी,बसन्त लाल जयसवाल, कुलदीप त्रिपाठी, राजेंद्र अग्रवाल, श्याम जी मौर्या ,आलम प्रधान , डॉ राज कुशवाहा , ननके मोदनवाल ,अजीत गुप्ता , सभासद करमचंद्र यादव , आदि लोग उपस्थित रहे ।

प्रयागराज प्रशासन एवं भारतीय रेलवे के मध्य डीएसए ग्राउन्ड पर हुआ क्रिकेट मैच

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ -2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा प्रदान करने के दृष्टिगत रेल प्रशासन और जिला प्रशासन द्वारा सयुक्त रूप से प्रयास किए जा रहे हैं इसी क्रम में रेल प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने साथ बैठकर महाकुंभ की तयारियों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया । इस अवसर पर अधिकारियों ने महाकुंभ -2025 के दौरान श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन से लेकर बेहतर अनुभव देने के लिए मंत्रणा की। इस दौरान रेल प्रशासन और जिला प्रशासन के अधिकारियों के बीच दिनांक 25.12.2024 को डीएसए ग्राउन्ड पर नाइट क्रिकेट मैच खेला गया । प्रयागराज प्रशासन बनाम भारतीय रेलवे अधिकारियों के बीच 15 ओवर का क्रिकेट मैच खेला गया । भारतीय रेलवे अधिकारियों की टीम के कैप्टन के रूप में अपर महाप्रबंधक- श्री जे. एस. लकरा एवं प्रयागराज प्रशासन टीम के कैप्टन के रूप में जिलाधिकारी, प्रयागराज रविंद्र कुमार मांदड के मार्गनिर्देशन में दोनों टीमों नें प्रदर्शन किया। प्रयागराज प्रशासन की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की । सलामी बल्लेबाज के रूप में जिलाधिकारी, प्रयागराज रवींद्र मांदड एवं पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा ने पारी की शुरूआत की । जिलाधिकारी प्रयागराज ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 51 बॉल पर 69 रनों की शानदार परी खेली जिसमें पांच चौके और शानदार 5 छक्के शामिल थे । प्रयागराज प्रशासन ने 15 ओवर खेलकर भारतीय रेलवे को 123 रनों का लक्ष्य दिया। भारतीय रेलवे के अधिकारियों ने लक्ष्य का पीछा करते हुए एक विकेट खोकर 10.4 ओवर में 124 रनों के लक्ष्य को प्राप्त कर लिया । भारतीय रेलवे की ओर से आकाश श्रीनेत्र ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 35 गेंद में 70 रन की परी खेली इसमें शानदार 10 चौके और 3 छक्के शामिल थे। मैन ऑफ द मैच संयुक्त रूप से आकाश श्रीनेत्र एवं रविंद्र मांदड को दिया गया । महाप्रबंधक/उत्तर मध्य रेलवे, श्री उपेन्द्र चंद्र जोशी ने मैन ऑफ द मैच पुरस्कार से खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया । इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत सहित जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण तथा रेल प्रशासन की ओर से मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मण्डल हिमाशु बाडोनी सहित अन्य आधिकारीगण उपस्थित रहे। नाइट क्रिकेट मैच का आयोजन मण्डल क्रीड़ा अधिकारी/वरिष्ठ मण्डल वित्त प्रबन्धक आशुतोष शर्मा द्वारा किया गया।

भारत रत्न अटल जी को शिद्दत से किया याद

अटल सरीखा नेता दुबारा नहीं पैदा होगा - प्रभाशंकर

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी जयंती पर शिद्दत से याद किया गया। उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उनके बारे में विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी सरीखा राजनीतिक व्यक्ति कभी कभार ही पैदा होता है। साफ सुथरी विचारधारा पर आजीवन राजनीति कर आदर्श की मिसाल पेश की है।

बुधवार को राजनीति के पुरोधा अटल बिहारी वाजपेयी के कृतित्व और व्यक्तित्व के कई प्रसंगों की चर्चा कर उसे जीवंत किया। कौड़िहार बाजार में आयोजित जयंती समारोह में पूर्व विधायक प्रभाशंकर पाण्डेय ने अटल जी के साथ बिताए अनुभवों को साझा किया। इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष रामचंद्र शुक्ल, राजेंद्र मिश्र, सत्यम समेत कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। श्रृंगवेरपुर धाम मंडल में जयंती समारोह में विधान परिषद सदस्य सुरेन्द्र चौधरी, मंडल अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्र, पूर्व मंडल अध्यक्ष प्रदीप केसरवानी, संजय गुप्ता, पूर्व जिला पंचायत सदस्य शशिकांत शर्मा, प्रेमचंद अंबेडकर, बसन्त लाल जायसवाल समेत कई पदाधिकारियों ने विचार रखे। सम्हई में नवाबगंज मंडल के जुटे भाजपाइयों ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर जिलामंत्री तुलसीराम सरोज, मंडल अध्यक्ष प्रशांत गुप्ता, विनोद ओझा, आनंद पाण्डेय मुखिया, कमलेश तिवारी, अजय गुप्ता, अजय पांडेय, राघवेंद्र सिंह, विनय मौर्य, शिवाकांत मौर्य, सुनील गौतम, स्वराज पाण्डेय, राकेश शर्मा, अभिषेक पाण्डेय, बाबूजी आदि प्रमुख लोग शामिल रहे।

प्रयागराज से मुख्य मंडल प्रभारी बने डॉ0 रामराज

सबसे तेज प्रयागराज

अजय कुमार होलागढ़/प्रयागराज। बृहस्पतिवार को बहुजन समाज पार्टी कार्यालय में मंडल स्तरीय बैठक की गई जिसमें मंडल के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल रहे । बैठक में मुख्य मंडल प्रभारी डॉक्टर रामराज को मनोनीत किया गया । लोगों ने माला पहनकर स्वागत किया गया । व मिठाई खिलाई गई है । डॉ रामराज के मुख्य मंडल प्रभारी बनाए जाने पर उन्होंने कहा कि पार्टी के तरफ से जो भी मुझे जिम्मेदारी दी गई है मैं उसे ईमानदारी के साथ निर्वहन करुंगा और पार्टी के साथ सदैव खड़ा रहूंगा ।

जीआरपी पुलिस ने एक वारंटी को भेजा जेल

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। अपर पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी0, पुलिस उप महानिरीक्षक रेलवे राहुल राज, पुलिस अधीक्षक रेलवे अभिषेक यादव, पुलिस उपाधीक्षक रेलवे अरुण कुमार पाठक द्वारा कड़े निर्देश दिए गए थे। निर्देशन के क्रम में चलाए जा रहे अभियान के फलस्वरुप प्रभारी निरीक्षक राजीव रंजन उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में न्यायालय द्वारा वारंटी चल रहे अभियुक्त गिरधारी पुत्र कम्मु निवासी प्लॉट नंबर 340 गुलाब बाड़ी अटाला थाना खुल्दाबाद प्रयागराज को रेलवे स्टेशन प्रयागराज के पश्चिम दिशा के गेट नं0 4 के पास बहद थाना क्षेत्र जीआरपी प्रयागराज जंक्शन से गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही की गयी ।गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम उप निरीक्षक मो0 गुलाम खाँ, हेड कांस्टेबल नदीम अहमद थाना जीआरपी प्रयागराज।

स्वामित्व योजना का मकसद देहात में जमीन के रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण में मदद करना - धर्मराज मौर्य

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य व जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा योगेंद्र सिंह ने बताया कि स्वामित्व योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन व अन्य संपत्ति के मालिकों को उनके अधिकार प्रदान करना और जमीनों के विवादों का समाधान करना है। कहा, स्वामित्व योजना एक ऐसी योजना है जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जमीनों जमीन के मालिकों को उनकी जमीन का स्वामित्व प्रदान करना है। योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई है और इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में जमीन के विवादों को कम करना और जमीन के मालिकों को उनके अधिकार प्रदान करना है। ऐसे तमाम जानकारी को मीडिया को साझा किया। इस मौके पर जिला महामंत्री संजय जायसवाल, जिला सह मीडिया प्रभारी ज्ञानेन्द्र साहू उपस्थित रहे।

मंडलायुक्त ने बैठक कर 31 तक दी मोहलत

बोले - दिलाई करने वाले परिणाम भुगतने को तैयार रहें

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। महाकुंभ 2025 के दृष्टिगत जनपद की सभी सड़कों को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने हेतु मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक हुई। इसमें 31 दिसंबर तक सभी मुख्य सड़कों से मलबा हटवाते हुए उन्हें स्वच्छ बनाने के निर्देश दिए गए। मण्डलायुक्त ने सभी सड़कों की विभागवार समीक्षा करते हुए विभागीय अधिकारियों को अपनी अपनी सड़कों से मलबा एवं कन्स्ट्रक्शन मटेरियल हटवाने, सड़क चौड़ीकरण एवं सौंदर्यीकरण के पश्चात यदि किसी के द्वारा घर अथवा दुकान बढ़ाकर अतिक्रमण किया गया है तो उसे भी हटवाने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य को 31 दिसंबर तक पूर्ण कराते हुए सभी मुख्य अभियंताओं को उनके समक्ष सर्टिफिकेट प्रस्तुत करना है। डेडलाइन तक सर्टिफिकेट न उपलब्ध करा पाने की स्थिति में संबंधित अभियंताओं के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। सभी पुराने सड़कों पर ग्रीनरी मेन्टेन करने तथा डिवाइडर पेंटिंग का काम भी शीघ्र खत्म कराने को कहा गया है। इसी क्रम में नगर निगम के संबंधित अधिकारियों को भी सभी नालों एवं सामुदायिक शौचालयों को साफ कराते हुए 31 दिसंबर तक सर्टिफिकेट देने के निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम के अधिकारियों को रात में सर्वे कराते हुए सड़कों पर बैठे गोवंशों को गो आश्रय स्थलों में भेजने के भी निर्देश दिए गए हैं।

संपादक की कलम से

लोकतंत्र और न्यायपालिका दोनों खतरे में

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव ने रविवार आठ दिसंबर को विश्व हिंदू परिषद के कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान वे भाजपा के राजनैतिक एजेंडे और कट्टर हिंदुत्व की सोच को आगे बढ़ाते नजर आए। जस्टिस यादव का भाषण रविवार से ही सोशल मीडिया के जरिए सब ओर पहुंच चुका है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट तक इस भाषण को पहुंचने में शायद दो दिन लग गए। क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार दोपहर को एक बयान जारी कर कहा कि उसने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज शेखर कुमार यादव के उस भाषण का संज्ञान लिया है। जिसे मीडिया ने प्रकाशित किया है। सुप्रीम कोर्ट ने बयान में कहा- 'इलाहाबाद हाईकोर्ट से और विवरण मंगाया गया है और मामला विचाराधीन है।' वहीं देश के वरिष्ठ वकील, राज्यसभा सांसद और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने कहा है कि उनकी कांग्रेस, सपा, माकपा आदि दलों के कुछ नेताओं से चर्चा हुई है और वे जस्टिस यादव के खिलाफ महाभियोग लाने की तैयारी कर रहे हैं। कपिल सिब्बल ने इस मामले में प्रधानमंत्री और सत्तापक्ष का सहयोग मांगा है, साथ ही कहा है कि सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम को देखना चाहिए कि ऐसे लोग जज न बनें।

अदालतों में बैठे लोग हिंदुत्व की पैरोकारी कर रहे हैं, यह बात संविधान की मयार्दा, न्यायपालिका की गरिमा और लोकतंत्र के तकाजों के खिलाफ जरूर है, लेकिन संघ के निदेर्शों पर नरेन्द्र मोदी के बनाए नए भारत में यह चलन बढ़ता जा रहा है। इसका सार्वजनिक इजहार तो तभी हो चुका था जब पांच जजों की पीठ ने बाबरी मस्जिद तोड़ कर खाली की गई जमीन को हिंदू पक्ष के हवाले कर दिया और फिर राम मंदिर बनाने की पूरी व्यवस्था भी कर दी। बाबरी मस्जिद तोड़ना अपराध था, यह बात सुप्रीम कोर्ट के फैसले में आने के बावजूद अपराधी खुले घूम रहे हैं, सम्मानित हो रहे हैं, यह नए भारत का सच है। पांच जजों की पीठ में शामिल तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई अब राज्यसभा सांसद हैं। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट में जस्टिस अभिजीत गंगोपाध्याय ने इस साल मार्च में अपनी अंतरात्मा की आवाज पर इस्तीफा दे दिया और फिर दो महीने बाद ही वे भाजपा की टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने उतर गए। फिलहाल न्यायपालिका की साख इतनी बची है कि आसंदी पर बैठे लोगों ने पद पर बने रहते हुए चुनाव लड़ना शुरू नहीं किया है। हालांकि मोदी सरकार चाहेगी तो संविधान में संशोधन कर इसे भी मुमकिन करा देगी। आखिर देश ने मुख्य न्यायाधीश रहे डी वाय चंद्रचूड़ और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक साथ गणेश आरती करती तस्वीरें देश ने देखी ही हैं और इस पर सवाल उठे तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश को इसमें कुछ गलत भी नहीं लगा। बल्कि उन्होंने तो राम मंदिर पर दिए अपने फैसले के बारे में यह भी कहा है कि उन्होंने देवी प्रतिमा के सामने बैठकर इस पर मंथन किया। हाल के इन प्रसंगों के अलावा कई और ऐसे प्रकरण दर्ज हैं, जिनमें न्यायाधीश मोर के आंसुओं और मोरनी के गर्भवती होने पर ज्ञान दे रहे हैं या घृणा भरे भाषण देने वालों के चेहरों के भाव पढ़ रहे हैं कि उन्होंने गुस्से से ऐसा कहा या मुस्कुराते हुए जहर उगला।

ये तमाम उदाहरण यह समझने के लिए काफी हैं कि अब देश के तीसरे स्तंभ न्यायपालिका में भी ऑक्टोपस की तरह हिंदुत्व की भुजाएं दसों दिशाओं से बढ़ चुकी हैं। सत्ता और प्रशासन में बैठे लोगों से देश की उम्मीदें चुकती जा रही थीं, क्योंकि यहां से जो फैसले लिए जा रहे हैं, उनमें शक्तिसंपन्न, सवर्ण तबकों को ही तवज्जो मिलती है। जो गरीब हैं, वर्ण व्यवस्था में निचले क्रम पर हैं, या अल्पसंख्यक हैं, उनके हित के लिए खैरात की तरह कुछ योजनाएं चलाई जाती हैं, ताकि वे उसी में खुश रहें। अन्याय के इस माहौल में केवल अदालत से लोगों की उम्मीदें बंधी थीं कि यहां चाहे जितनी देर लगे लेकिन जाति, धर्म, धन, लिंग सबके भेद से परे उठकर इंसाफ हासिल होगा। लेकिन जस्टिस शेखर कुमार यादव के भाषण से उस उम्मीद पर एक गहरा प्रहार हुआ है।

गौरतलब है कि विश्व हिन्दू परिषद के विधि प्रकोष्ठ (लीगल सेल) ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के लाइब्रेरी हॉल में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। इसमें जस्टिस शेखर यादव के अलावा इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक और मौजूदा जज जस्टिस दिनेश पाठक भी शामिल हुए थे। कार्यक्रम में 'वक्फ बोर्ड अधिनियम', 'धर्मान्तरण-कारण एवं निवारण' और 'समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता' जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जिससे समझ आता है कि इस आयोजन का मकसद क्या था। जस्टिस शेखर यादव ने 'समान नागरिक संहिता एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर बोलते हुए कहा कि देश एक है, संविधान एक है तो कानून एक क्यों नहीं है? जस्टिस यादव ने मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि हमें किसी का कष्ट देखकर कष्ट होता है, लेकिन आपके यहां ऐसा नहीं होता है। उन्होंने लोकतंत्र को धता बताते हुए यहां तक कह दिया कि हिन्दुस्तान में रहने वाले बहुसंख्यक के अनुसार ही देश चलेगा। यही कानून है।

आप यह भी नहीं कह सकते कि हाई कोर्ट के जज होकर ऐसा बोल रहे हैं। कानून तो भैय्या बहुसंख्यक से ही चलता है। परिवार में भी देखिए, समाज में भी देखिए। जहां पर अधिक लोग होते हैं, जो कहते हैं उसी को माना जाता है।' इसके अलावा सांप्रदायिक नफरत जाहिर करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द कठमुल्ला का इस्तेमाल करते हुए जस्टिस शेखर यादव ने ये भी कहा कि 'कठमुल्ले' देश के लिए घातक हैं। 'जो कठमुल्ला हैं, 'शब्द' गलत है लेकिन कहने में गुरेज नहीं है, क्योंकि वो देश के लिए घातक हैं. जनता को बहकाने वाले लोग हैं. देश आगे न बढ़े इस प्रकार के लोग हैं, उनसे सावधान रहने की जरूरत है।

चाय नहीं अमृत है तुलसी, अदरक समेत इन मसालों से बनी चाय, फायदे कई

नई दिल्ली। सर्दियों ने दस्तक दे दी है। खाने पीने के शौकीनों के लिए ठंड का मौसम वरदान से कम नहीं है तो अक्सर सर्दी जुकाम का शिकार होने वाले लोगों के लिए यह मौसम खतरनाक भी है। स्वाद से भरी मसाला चाय की चुस्की से न केवल वायरल, जुकाम या एलर्जी से होने वाली समस्याओं को बाय कह सकते हैं बल्कि काम करने के बाद पल भर में थकान को भी विदा कर सकते हैं। हम बात कर रहे हैं मसाला चाय की। चाय में लौंग, तेजपत्ता, तुलसी के पत्ते, अजवाइन, काली मिर्च और अदरक डालना काफी फायदेमंद होता है। आयुर्वेद के अनुसार, इन मसालों के साथ बनी चाय सर्दियों के लिए रामबाण साबित हो सकती है। ये टेस्ट में तो लाजवाब होते ही हैं साथ ही कमाल की स्फूर्ति और ताजगी के साथ छोटे-मोटे संक्रमण से भी आपका पीछा छुड़ाने में मदद करते हैं। मौसम में बदलाव के बीच आइए जानते हैं मसाला चाय कैसे बनाएं।

खौलते पानी में चीनी और चायपत्ती के साथ अदरक, काली मिर्च, अजवाइन, तेजपत्ता, लौंग को लंबे समय तक पकाने से उसके तत्व सही तरीके से मिल जाते हैं। आप चाहें तो अपनी पसंद के अनुसार काली चाय या दूध वाली चाय दोनों में से कोई भी इन मसालों के साथ बना सकते हैं। तेजपत्ता की चाय पीने के कई फायदे होते हैं। तेजपत्ता में विटामिन सी, विटामिन बी6, आयरन, कैल्शियम, और मैग्निशियम होते हैं।

इससे इम्यूनिटी बढ़ती है। मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और इससे पाचन क्रिया शानदार होती है। अपच और गैस संबंधित समस्या दूर होती है। वहीं, काली मिर्च में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं। काली मिर्च और लौंग में मौजूद यूजेनॉल खांसी को दूर करने में मदद करता है। बंदर क्या जाने अदरक का स्वाद? अदरक में जिंजरोल नाम का तत्व होता है, जो ताजगी के साथ शरीर को गर्मी देता है।

भारतीय स्कूली शिक्षा प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन की आवश्यकता

-प्रियंका सौरभ

कोठारी आयोग ने स्कूली शिक्षा में एकरूपता की नींव रखी और शैक्षिक सुधारों की आवश्यकता पर जोर दिया। इसने 14 वर्ष की आयु तक मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा की सिफारिश की, जिसने भारत की शिक्षा प्रणाली में भविष्य के सुधारों के लिए मंच तैयार किया। इस नीति ने शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच पर ध्यान केंद्रित किया, जिसका उद्देश्य समानता में सुधार करना और क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना था। इसने पूरे देश में एक समान पाठ्यक्रम पेश किया और व्यावहारिक कौशल विकास के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया। इस योजना का उद्देश्य पोषण मानकों में सुधार करना और स्कूल में उपस्थिति बढ़ाना था। एसएसए का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा को सार्वभौमिक बनाना और लैंगिक और सामाजिक असमानताओं को खत्म करना था। आरटीई अधिनियम ने 6 से 14 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए शिक्षा को निःशुल्क और अनिवार्य बना दिया, जिससे सभी बच्चों के लिए शिक्षा सुनिश्चित हुई। एनसीएफ 2005 का उद्देश्य सीखने के लिए रचनात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर शिक्षा को वास्तविक दुनिया की जरूरतों के लिए अधिक प्रासंगिक बनाना था। इसने रटने की आदत से हटकर परियोजना-आधारित सीखने और आलोचनात्मक सोच को प्रोत्साहित किया।

समग्र शिक्षा अभियान एकीकृत योजना का उद्देश्य समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता और पहुँच में सुधार करना था। इसने हाशिए पर पड़े छात्रों के लिए बुनियादी ढांचे, शिक्षक प्रशिक्षण और समावेशी शिक्षा के लिए स्कूलों को अनुदान प्रदान किया। एनईपी 2020 ने प्रारंभिक बचपन की शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कक्षा 10 के बाद कठोर धाराओं को खत्म करने जैसे परिवर्तनकारी बदलावों का प्रस्ताव रखा। यह समग्र विकास के उद्देश्य से शिक्षा के मार्गों में बहु-विषयक सीखने और लचीलेपन पर जोर देता है। भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली के सामने आने वाली बहुआयामी चुनौतियाँ क्षेत्रों में गुणवत्ता की असमानताएँ हैं। भारत में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच शिक्षा की गुणवत्ता में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जहाँ कई ग्रामीण स्कूलों में बुनियादी ढाँचे और योग्य शिक्षकों की कमी है। एएसईआर 2018 के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों में केवल 50% बच्चे ही बुनियादी पाठ पढ़ सकते हैं, जो शिक्षा की गुणवत्ता में असमानताओं को उजागर करता है। शिक्षा प्रणाली अक्सर सैद्धांतिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे छात्र कार्यबल में आवश्यक व्यावहारिक नौकरी कौशल के लिए तैयार नहीं होते हैं। इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में डिग्री वाले स्नातकों में अक्सर नौकरी-विशिष्ट कौशल की कमी होती है, जिससे उच्च बेरोजगारी दर होती है। प्रणाली अभी भी रटने पर अत्यधिक ध्यान केंद्रित करती है, जिससे सीमित आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान क्षमताएँ होती हैं। आईसीएसई और सीबीएसई में परीक्षाएँ अनुप्रयोग-आधारित सीखने के बजाय सामग्री को याद करने पर केंद्रित होती हैं, जिससे रचनात्मक सोच में बाधा आती है। शिक्षक प्रशिक्षण की कमियाँः शिक्षकों के प्रशिक्षण और व्यावसायिक विकास में एक महत्त्वपूर्ण अंतर है, जो शिक्षण की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। शिक्षकों की कमी और गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण को पर्याप्त रूप से सम्बोधित करने में विफल रहने के लिए राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की आलोचना की गई है। डिजिटल शिक्षा के विकास के बावजूद तकनीकी बुनियादी ढाँचा अपर्याप्त बना हुआ है, खासकर ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में। उदाहरण के लिएः डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने प्रगति की है, लेकिन ग्रामीण स्कूलों में इंटरनेट की पहुँच और डिवाइस की पहुँच अभी भी कम है, जिससे छात्रों का आधुनिक शैक्षिक उपकरणों से संपर्क सीमित हो जाता है। आमूलचूल परिवर्तन उच्च-दबाव वाली परीक्षाओं से दूर जा सकता है और अधिक निरंतर मूल्यांकन विधियों को अपना सकता है, जिससे छात्रों पर परीक्षा का दबाव कम हो सकता है। सिंगापुर ने छात्रों के प्रदर्शन को मापने, तनाव को कम करने और सीखने के परिणामों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए निरंतर मूल्यांकन रणनीतियों को लागू किया है। आमूलचूल परिवर्तन से पाठ्यक्रम में प्रौद्योगिकी-संचालित शिक्षा को शामिल किया जा सकता है, जिससे पहुँच और सहभागिता बढ़ सकती है। कौशल-आधारित शिक्षा को शामिल करने जैसे पारंपरिक सुधारों से परे अभिनव समाधान। शुरूआती चरण में व्यावसायिक शिक्षा और कौशल-आधारित शिक्षा शुरू करने से छात्रों को व्यावहारिक क्षमताओं से लैस किया जाएगा, जिससे वे कार्यबल के लिए तैयार होंगे। दक्षिण कोरिया तकनीकी शिक्षा को मिडिल स्कूल से अपने पाठ्यक्रम में एकीकृत करता है, जिससे एक कुशल कार्यबल तैयार होता है। ऑफलाइन और ऑनलाइन सीखने का संयोजन शैक्षिक विभाजन को पाट सकता है, जिससे जुड़ाव और पहुँच बढ़ सकती है।

स्कूलों में मिश्रित शिक्षा दूरदराज के क्षेत्रों में छात्रों को आमने-सामने बातचीत से लाभान्वित करते हुए डिजिटल सामग्री तक पहुँचने की अनुमति देती है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग स्कूलों के लिए बुनियादी ढाँचे, प्रशिक्षण और संसाधनों को बढ़ा सकता है, विशेष रूप से वंचित क्षेत्रों में। ब्रिटिश काउंसिल भारतीय राज्यों के साथ मिलकर शिक्षक प्रशिक्षण में सुधार और वैश्विक शिक्षण मानकों को पेश करती है। छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और समग्र कल्याण पर ध्यान केंद्रित करने से बेहतर शिक्षण परिणाम मिलेंगे। उदाहरण के लिएः जापान ने अपने पाठ्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया है, जिससे छात्रों के कल्याण और प्रदर्शन में सुधार हुआ है। स्थानीयकृत शिक्षा मॉडलः क्षेत्रीय आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप शिक्षा प्रणालियों को तैयार करने से जुड़ाव और प्रासंगिकता में सुधार होगा।

भारत की स्कूली शिक्षा प्रणाली में दीर्घकालिक चुनौतियों का समाधान करने और परिणामों को बेहतर बनाने के लिए आमूलचूल सुधारों की आवश्यकता है। फिनलैंड के छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और दक्षिण कोरिया के व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं से प्रेरणा लेते हुए, भारत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के लिए एनईपी 2020 के दृष्टिकोण के साथ मिलकर समावेशी और टिकाऊ शैक्षिक परिणाम प्राप्त कर सकता

संसद को अप्रासंगिक बनाने धनखड़ और बिरला में होड़

- डॉ. दीपक पाचपोर

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि 'संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है', पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर-शराबा किया जाता है। अपने प्रदीर्घ राजनीतिक जीवन के अलग-अलग कालखंडों में विधानसभा से लेकर संसद के दोनों सदनों में बैठ चुके राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह सोमवार को जब संसद परिसर में यह कहते हैं कि 'मैंने अपने लम्बे राजनीतिक जीवन में ऐसा पक्षपाती सभापति नहीं देखा जैसा कि आज आसीन है', तो इस पर गम्भीरता से विचार किये जाने की जरूरत है। उसे केवल यह कहकर खारिज नहीं किया जाना चाहिये कि वे विपक्ष में हैं तो ऐसा कहेंगे ही। उन्होंने यह बात शिष्टाचारवश राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ को ही लेकर सीमित करके कही है क्योंकि वे उसी सदन के बारे में कह रहे थे, जिसके कि वे सदस्य हैं। वरना उनकी बात दोनों ही सदनों के बारे में एक सी लागू होती है- लोकसभा के बारे में भी जिसके अध्यक्ष ओम बिरला हैं। हालांकि अब यह कहना बड़ा मुश्किल है कि भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में कौन अधिक सक्रियता और शिद्दत से संसद को अप्रासंगिक बनाने पर तुला है- ओम बिरला या जगदीप धनखड़। वैसे तो बिरला राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की परम्परा से आते हैं इसलिये उनके लिये ऐसी संवैधानिक संस्थाओं का कोई महत्व नहीं है; और भारतीय जनता पार्टी शासन में ऐसे ही लोगों को ये पद अधिक आसानी से मिलते हैं जो उस आसन को अधिकतम गंदला कर सकें। मटियामेट कर दें। इसलिये अपनी कार्रवाई के दौरान बिरला अक्सर सदस्यों से 'बैठ जाओ', 'नो...नो', 'यह नईं चलेगा' 'आपकी बात रेकार्ड में नहीं जायेगी... जैसे शब्दों में डांट-डपट करते रहते हैं।

आगे-पीछे राष्ट्रपति का चुनाव होना है। साफ है कि उस पद की ओर दोनों तेजी से बढ़ना चाहते हैं। धनखड़ की संघ की पार्श्वभूमि नहीं है। वे सुप्रीम कोर्ट के सफल वकील होने के साथ जनता दल व कांग्रेस में लम्बा समय काटकर आये हैं। उन्हें संविधान का महत्व मालूम होना चाहिये परन्तु व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा की इस होड़ के चलते वे भी लोकतंत्र और जनहित को भंगार कर रहे हैं। इसके कारण पिछले कई सत्रों की भांति ही संसद के मौजूदा सत्र में अब तक कुछ ही घंटे काम हो पाया है। संसद में काम न होने का फायदा हमेशा सत्तारुढ़ दल को होता है। बिरला व धनखड़ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को दिलो-जान से लाभान्वित कर रहे हैं। पिछली दोनों व वर्तमान लोकसभाओं और राज्यसभा में विपक्ष को कुचलने और उसकी आवाज को खत्म करने की सुनियोजित योजना के अंतर्गत दोनों ने अपने संवैधानिक पदों का भरपूर दुरुपयोग किया है। किसी भी मुद्दे पर जिस तरीके से ये दोनों सरकार का बचाव करते अथवा पैरवी करते नड्डार आते हैं, उससे अधिक शर्मनाक कुछ इसलिये नहीं हो सकता क्योंकि ये दोनों पद पार्टी हितों से बढ़कर जिम्मेदारियों के निर्वहन की अपेक्षा रखते हैं। पूरी संसदीय व्यवस्था इन दोनों पदों के निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से काम करने पर निर्भर है। इस वर्ष लोकसभा चुनाव के बाद दूसरी बार ओम बिरला को जब यह पद मिला तो उससे साफ संदेश गया कि जो भी संसदीय परम्परा को जितना बिगाड़ सकता है वह उतना ही अधिक पुरस्कृत होगा। वरना जब भी मिली-जुली सरकार बनती है तो सत्ताधारी दल यह पद किसी सहयोगी पार्टी को प्रदान करता है। मोदी ने ऐसा नहीं किया। उसके पीछे यही कारण था कि वे इन दोनों के जरिये सम्पूर्ण राजनीतिक एकाधिकार कायम करना चाहते हैं। इसमें वे काफी हद तक सफल होते भी दिख रहे हैं।

विपक्ष में रहते भाजपा हमेशा कहती रही है कि 'संसद को सुचारू रूप से चलाने की जिम्मेदारी सत्ता पक्ष की होती है', पर दस वर्षों से उसका नजरिया बदल गया है। अब वह विपक्ष को संसद के ठप होने के लिये जिम्मेदार मानने लगी है। तकरीबन हर सत्र का पैटर्न कुछ इस तरह का हो गया है कि किसी न किसी बात को लेकर सत्ता पक्ष की ओर से शोर-शराबा किया जाता है और जो राई भी नहीं है उसे पर्वत बनाकर सदन को ठप कर दिया जाता है। सरकार से सवाल पूछते ही सत्ताधारी दलों की ओर से विपक्ष पर हमले होते हैं। उस शोर-गुल में संख्या बल के आसरे दोनों सदनों के संचालकगण सरकार की ओर से रखे जाने वाले कानून पारित करा देते हैं जिनमें से ज्यादातर जनविरोधी रहे हैं। पिछले दशक भर से पता नहीं ऐसे कितने कानून भाजपा सरकार द्वारा पारित कराकर देश पर थोपे गये हैं जिन पर पहले चर्चा नहीं की गयी। लगता है कि संसद को इसी तरह से चलाने के निर्देश सम्भवतः मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की ओर से मिले हुए हैं। इस टास्क को कौन भली-भंति पूरा करता है- इसी के हिसाब से तय होगा कि अगला राष्ट्रपति कौन बनेगा। इस टास्क के साथ यह भी संदेश छिपा हुआ है कि संसद को पूरी तरह से अप्रासंगिक बना दिया जाये ताकि लोगों का लोकतंत्र से ही मोहभंग हो जाये और भाजपा तथा उसकी मातृ संस्था आरएसएस की मंशा के अनुरूप देश में मनुवादी व्यवस्था स्थापित की जा सके जिसके तहत शासन प्रणाली में लोगों की भागीदारी न हो। बिरला-धनखड़ की जोड़ी एक तरह से अपने-अपने सदनों को अपहृत कर मोदी-शाह के इसी मंसूबे को पूरा कर रही है। देश के गिने-चुने कारोबारियों के पक्ष में काम करने वाली सरकार के लिये ऐसे ही सदन मुफीद होते हैं।

देश के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर आवश्यक चर्चा को टालकर संसद को अप्रासंगिक बनाने के कारण ही संसद परिसर में कुछ ऐसे नजारे देखने को मिलते हैं जो कहने को अप्रिय लग सकते हैं परन्तु वे यह बतलाते हैं कि दोनों सदनों के भीतर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है। उन्हें बोलने के लिये कोई और मंच चाहिये। मोदी प्रेस कांफ्रेंस करते नहीं और सरकार समर्थक मीडिया विपक्ष की बात को नहीं छापता या दिखाता। छापता-दिखाता भी है तो तोड़-मरोड़कर या उतने हिस्से को ही जिससे सत्ता पक्ष को फायदा हो। ऐसे में यदि राज्यसभा सदस्य कल्याण बैनर्जी (तृणमूल कांग्रेस) धनखड़ की मिमिक्री करते हैं और उसका राहुल गांधी वीडियो बनाते हैं तो वह स्वाभाविक है; अथवा राहुल बतलाते हैं कि दूसरी बार अध्यक्ष बनने के बाद ओम बिरला उनसे (राहुल से) तो तनकर मिलते हैं परन्तु मोदी से झुककर हाथ मिलाते हैं।

इस सबके बावजूद यदि प्रतिपक्ष का मुंह बंद रखने पर बिरला-धनखड़ आमादा हैं तो विरोधी दलों के पास इसके अलावा कोई और चारा नहीं रह जाता कि वे मोदी व गौतम अदानी के मास्क पहनकर संसद परिसर में दोनों की दोस्ती को प्रतीकात्मक तरीके से अभिनीत करें। यह प्रहसन बतलाता है कि संसद ऐसी अप्रासंगिक हो गयी है कि अपनी बात कहने या उन पर होते अन्याय को दशार्ने के लिये निर्वाचित सांसदों को मिमिक्री का सहारा लेना पड़ रहा है।

बीजेपी के खिलाफ 27 में फिर बदलेगा सियासी समीकरण

अजय कुमार,लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बीजेपी के खिलाफ एक बार फिर से सियासी समीकरण काफी तेजी के साथ बदल रहा हैं। प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और योगी सरकार की विरोध की हांडी नहीं पक पाने के कारण प्रदेश में एक बार फिर से नए सियासी समीकरण उभरते नजर आ रहे हैं। इस नये समीकरण में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी का अहम रोल हो सकता है। इसी वजह से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की कमान ममता बनर्जी को दिये जाने की मांग का भी समर्थन कर रहे हैं। हो सकता है 2027 के विधानसभा चुनाव के समय तक समाजवादी पार्टी कांग्रेसी पंजे से अपना हाथ छुड़ाकर ममता बनर्जी के कहने पर एक बार फिर से मायावती के सात बुआ भतीजे वाला रिश्ता निभाते नजर आए। ऐसा होता है तो यूपी में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। यह संभावना है इसलिए बढ़ रही है क्योंकि पिछले कुछ दिनों या महीनों से कांग्रेस समाजवादी पार्टी के मुस्लिम वोट बैंक में सेंधमारी की कोशिश कर रही है। सपा-कांग्रेस के बीच दूरियां लगातार बढ़ने के साथ एक-दूसरे के खिलाफ सार्वजनिक मंचों से बयानबाजी भी हो रही है। महाराष्ट्र और हरियाणा के चुनाव में कांग्रेस की नाकामी भी इसमें एक अहम कड़ी समझा जा रहा है। यही दूरियां ही हैं कि संसद के अंदर भी सपा-कांग्रेस विभिन्न मुद्दों पर मजबूती से एक साथ नहीं दिख रहे हैं।सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में दरार आई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। हाल यह है कि जेल में बंद सपा के कद्दावर नेता और पूर्व मंत्री आजम खान ने भी इंडिया ब्लॉक को जेल से एक संदेश भेजा है। इसमें उन्होंने कहा है कि इंडिया ब्लॉक को मुसलमानों पर हो रहे हमलों पर अपनी नीति स्पष्ट करनी चाहिए। साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी को भी लिखा कि संभल की घटना के जैसे ही रामपुर में हुए अत्याचार का मुद्दा भी संसद में उतनी ही मजबूती से उठाना चाहिए।

कांग्रेस और सपा के बीच दूरियां तब और बढ़ गईं जब सपा कि तरफ से कहा जाने लगा कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस की जगह तृणमूल कांग्रेस की सुप्रीमो ममता बनर्जी को दिए जाने पर सपा को एतराज नहीं है। बता दें लोकसभा चुनाव के बाद कई चुनावों में कांग्रेस की लगातार हार के बाद इंडिया गठबंधन में अंतर्विरोध बढ़ रहे हैं। उधर दूसरी तरफ चर्चा यह भी है कि यूपी की राजनीति एक बार फिर पलट सकती है। सपा और कांग्रेस के बीच आई दूरियों के बीच मायावती का रुख नई राजनीतिक समीकरणों को जन्म दे सकता है। बहराल,सपा नेताओं का कहना है कि संभल मामले में उसके सांसद पर मुकदमे दर्ज किए जाने का कांग्रेस ने उस तरह विरोध नहीं किया जैसी उससे अपेक्षा थी। बताते हैं कि लोकसभा में फैजाबाद (अयोध्या) के सपा सांसद अवधेश प्रसाद की सीट पीछे होने पर भी दोनों दलों के रिश्तों में असहजता पैदा हुई है। सपा का मानना है कि सीटिंग प्लान पर बात के समय कांग्रेस ने उसे भरोसे में नहीं लिया। वहीं, कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि सदन में अदाणी मामले में उसे सपा का अपेक्षित सहयोग नहीं मिल रहा है। रिश्तों में खटास का ही नतीजा है कि सपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरणमय नंदा ने कहा कि ममता बनर्जी वरिष्ठ नेता हैं।

पार्टी हाईकमान भी यही चाहता है कि इंडिया गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। सपा के प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल भी कह चुके हैं कि वे राहुल गांधी को इंडिया गठबंधन का नेता नहीं मानते हैं। इंडिया गठबंधन की समन्वय समिति में शामिल सपा के एक नेता बताते हैं कि कांग्रेस गठबंधन को लेकर गंभीर नहीं है। उसके नेता चुनाव के वक्त ही सक्रिय होते हैं जिससे जनाधार नहीं बढ़ता। ऐसे में बेहतर होगा कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी करें। भाजपा को मात देने के लिए रणनीति के साथ जनता के बीच लगातार जुटे रहने की जरूरत है।

चतरा को अफीम मुक्त करने के लिए वन विभाग और पुलिस ने लिया संकल्प, अभियान जारी

तस्कर पहाड़ की तलहटी में अफीम पोस्ता की खेती में है जुटे

कान्हाचट्टी/चतरा :- जिले के घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में राजपुर पुलिस ने तीन एकड़ में लगे अफीम खेती को नष्ट किया है । राजपुर पुलिस ने बिहार बॉर्डर के नजदीक गड़िया-अमकुदर में लगे अफीम खेती को पुलिस नष्ट किया। इस संबंध में थाना प्रभारी संदीप कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि गाड़िया-अमकुदर में बिहार बॉर्डर के गांव से सटे जंगल व निजी भूमि में अफीम खेती बड़े पैमाने पर किया गया है। वहां जाकर देखा कि लोग जंगलों में झाड़ियां काटकर खेती के लायक बना दिया है और अफीम खेती उसमें की जा रही है । तीन एकड़ में लगे अफीम खेती को पुलिस एवं वन विभाग के द्वारा संयुक्त अभियान चलाकर खेती को नष्ट किया गया। अभियान में राजपुर पुलिस के साथ वन विभाग की टीम शामिल रहा ।

तेज तर्रार , युवा ऊजावान एसपी विकास पाण्डेय चतरा जिले को नशा मुक्त बनाने को लेकर कारोबारियों के खिलाफ लगातार करवाई तथा गांव के भोले भाले अशिक्षित लोगों को अफीम खेती के दुष्प्रभाव से अवगत कराने के लिए सभी थाना क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है । इसके साथ ही सुदूरवर्ती गांव में रहने वाले अनपढ़ , गरीब असहाय लोगों के बीच जाकर इसके दुष्प्रभाव व कानूनी करवाई के बारे में बताया जा रहा है । इनके कार्यो और इनकी बातों से प्रेरित होकर कई थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती गांव के लोगों ने अफीम मुक्त चतरा बनाने के लिए अफीम खेती करना छोड़ दिया है ।

इस बार वन विभाग और जिला पुलिस के संयुक्त अभियान का नतीजा साफ दिख रहा है कि अफीम की खेती करने वालों और करवाने वाले तस्करों की खैर नही है । झारखण्ड के गृह एवं कारा विभाग की प्रधान सचिव वंदना डादेल तथा डीजीपी अनुराग गुप्ता ने चतरा पहुंचकर जिले से सटे जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक कर अफीम खेती पर पूर्णतः अंकुश लगाने के लिए कई आवश्यक निर्देश तथा दोषियों के विरुद्ध यानी तस्करों के विरुद्ध कड़ी करवाई का निर्देश दिया है ।

मोटरसाइकिल चोरी के अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। अस्पताल के सामने से हुई बाइक चोरी के आरोपी को पिपरी पुलिस ने चंद्र घंटों में गिरफ्तार कर बाइक बरामद करते हुए जेल भज दिया।

गुरुवार राजा हास्पिटल तिल्हापुर मोड़ पर मोटरसाइकिल को चोरी करते हुये जनता द्वारा पकड़ कर थाना पिपरी पर लाया गया था। सूचना पर थाना पिपरी पुलिस उ०नि० वीरेन्द्र प्रताप सिंह द्वारा पकड़े गये व्यक्ति आलीम उर्फ टमटा पुत्र सलीम निवासी सोनारन टोला थाना करारी जनपद कौशाम्बी को हिरासत में लिया गया।

सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते 8 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जपनद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महेवाघाट पुलिस उ०नि० रत्नेश कुमार मय हमराह पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर 04 अभियुक्तों 1. विनोद निषाद पुत्र पुग्गी 2. संगम निषाद पुत्र तीरथ 3. राम निषाद पुत्र बल्लू 4. पताल निषाद पुत्र बच्चा लाल निवासीगण ग्राम घोघपुर थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से मालफड़ 2000 रुपये तथा जामातलाशी से 3560 रुपये व 52 अदद तास के पत्ते बरामद हुआ।

थाना महेवाघाट पुलिस उ०नि० आत्मा प्रसाद मय हमराह पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर 4 अभियुक्तों अगमशील निषाद पुत्र बाबू लाल निषाद . शेरा निषाद पुत्र बाबू लाल निषाद . भुक्खन निषाद पुत्र कल्लू . भगवान राम गौड़ पुत्र बिलर राम गौड़ निवासीगण ग्राम मवई थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तों के कब्जे से मालफड़ 810 रुपये तथा जामातलाशी से 3220 रुपये व 52 अदद तास के पत्ते बरामद हुआ।

40 लीटर अवैध शराब संग तीन आरोपी बंदी

कौशांबी। थाना महेवाघाट पुलिस उ०नि० श्रवण कुमार शुक्ला मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त सरोज पुत्र सन्तलाल नि० हिनौता थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को 15 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

थाना सैनी पुलिस उ०नि० अंजनी कुमार सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्त राम सिंह सरोज पुत्र असर्फी लाल नि० काजीपुर थुलबुला थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को 10 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

चौकी प्रभारी आलोक राज मय हमराह पुलिस बल द्वारा अभियुक्ता राज कुमारी पत्नी बबलू पासी नि० पथरावां थाना सैनी जनपद कौशाम्बी को 15 लीटर अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया गया।

वाहन चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशांबी। जनपद में चलाये जा रहे यातायात से सम्बन्धित अभियान के क्रम में जनपद स्तर पर विभिन्न थानों व यातायात पुलिस द्वारा यातायात नियमों का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई, चेकिंग के दौरान दो पहिया/चार पहिया वाहनों को चेक किया गया। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 89 वाहनों का ई-चालान किया गया।

निरोधात्मक कार्यवाही में 13 अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। जनपद में अपराध के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में साधारण मारपीट व शांति भंग करने के आरोप में (थाना मंझनपुर से 07, थाना सराय अकिल से 03, थाना कोखराज 01, थाना सैनी से 02) कुल 13 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान मा० न्यायालय किया गया।

गुरु नानक पब्लिक स्कूल में उत्कृष्ट मॉडल प्रदर्शनी देख अभिभावक बोले - वाह, गजब!

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज/प्रयागराज। गुरु नानक पब्लिक स्कूल नवाबगंज में राष्ट्रीय सुशासन दिवस के अवसर पर 'बियोंड बाउंड्रीज' विषयक मॉडल प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बच्चों की प्रतिभा और शानदार प्रस्तुति देख अभिभावको के मुंह से निकला वाह, गजब। प्रदर्शनी में बच्चों ने विज्ञान व नवाचार सम्बन्धी विषयों के साथ हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषयों पर भी उत्कृष्ट स्तर के मॉडल प्रदर्शित किए। मॉडलों में चंद्रयान - 3 प्रक्षेपण, अयोध्या राम मंदिर, शिशु भ्रूण विकास, विभिन्न ए-आई तकनीकी मॉडलों के साथ - साथ हिन्दी, अंग्रेजी भाषाओं एवं गणित विषयों पर भी उत्कृष्ट मॉडल प्रदर्शित किए गए। रमा पटेल, अनुभव शुक्ला, रोहित मिश्रा, साक्षी पांडेय, सोनाक्षी द्विवेदी, अमितेश पटेल, आशुतोष मौर्या आदि विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में अपनी रचनात्मकता तथा अभिव्यक्ति को शानदार तरीके से प्रदर्शित करते हुए भारतीय संस्कृति एवं विविधता के पक्ष को सामने रखा। बच्चों की प्रतिभा और शानदार प्रस्तुति देख अतिथियों समेत अभिभावकों ने जमकर सराहना की। इस अवसर पर बतौर प्रमुख अतिथि आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट के डायरेक्टर आशुतोष त्रिपाठी, माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश के मंडलीय मंत्री अनुज पांडेय, वरिष्ठ पत्रकार शिवाशंकर पांडेय रहे। प्रबंधक अरविन्द कुमार त्रिपाठी, प्रधानाचार्य रवींद्र कुमार त्रिपाठी, उप प्रधानाचार्या श्रीमती सरस्वती शुक्ला, प्रदीप कुमार पांडेय, राहुल चित्रांशी, अशोक दुबे ,श्रीमती रचना शुक्ला, दीपिका भट्टाचार्या, शिवजी तिवारी, भानु सिंह, रत्नेश मिश्रा, तुलसीराम पाण्डेय, बृजेश कुमार मिश्रा, हितेंद्र त्रिपाठी, अनुज कुमार शुक्ला, पवन शुक्ला आदि मौजूद रहे।

दो तस्करों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से कुल 75 ग्राम अवैध मारफीन बरामद

सबसे तेज प्रयागराज

बाराबंकी। पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देश पर लोनीकटरा पुलिस अवैध मार्फिन बेचने वाले दो तस्करों को गिरफ्तार कर मारीफन बरामद किया।

थाना लोनीकटरा पुलिस टीम द्वारा गुरुवार को अभियुक्तगण मो0 इरशाद पुत्र मो0 शादिक निवासी बड़ी बाजार कस्बा व थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी, महमूद आलम पुत्र अब्दुल गफ्फार निवासी चिकना महल कस्बा व थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से कुल 75 ग्राम अवैध मारफीन बरामद किया।

।

महाकुंभ की तैयारी को लेकर सपा मुखिया अखिलेश ने उठाए सवाल

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ की तैयारियों के बीच समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधा है। अखिलेश यादव ने वीडियो जारी कर सवाल उठाए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने बुधवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भाजपा सरकार में प्रयागराज महाकुंभ 2025 की तैयारी की सच्चाई। कम से कम पुलिस विभाग का काम तो बहुत पहले ही पूरा हो जाना चाहिए था क्योंकि सुरक्षा चक्र का प्रबंधन किसी अंतिम दिन की प्रतीक्षा नहीं करता है। प्रयागराज की आहत जनता पूछ रही है कि महादानी सम्राट हर्षवर्धन की प्रतिमा हटाने के लिए तो भाजपा सरकार बहुत तत्पर थी पर वैसी तेजी प्रशासनिक प्रबंधन के लिए क्यों नहीं दिखाई जा रही है। प्रबंधन करते समय प्रयागराज और मेला क्षेत्र के आसपास की स्थानीय जनता की जरूरतों और समस्याओं को नजरअंदाज करने की जो शिकायतें मिल रही हैं, उनका भी तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने आगे लिखा कि प्रयागराज के निवासियों के बीच किसी इमरजेंसी के घटित होने पर आवागमन और परिवहन को लेकर मन में जो चिंता है, उसके निराकरण के लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाए। हम चाहते हैं महाकुंभ भी चले और प्रयागराज भी गतिमान रहे।

संसद में संविधान पर चर्चा में स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस पार्टी आंबेडकर जी की विरोधी, संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी और ओबीसी विरोधी पार्टी है: अमित शाह

सोनीपतः केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता को संबोधित करने के दौरान कांग्रेस पर जमकर हमला बोला और अपने संबोधन में बाबा साहेब आंबेडकर को लेकर कांग्रेस के झूठे दुष्प्रचार को भी बेनकाब किया।

हाल ही में, संविधान के 75 वर्ष पूरे होने पर संसद में संविधान पर चर्चा में स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस पार्टी आंबेडकर जी की विरोधी, संविधान विरोधी, आरक्षण विरोधी और ओबीसी विरोधी पार्टी है। नारी सम्मान को सालों तक दरकिनार करने वाली कांग्रेस ने हमेशा न्यायपालिका और सेना के शहीदों का अपमान किया। कांग्रेस ने वीर सावरकर जी का भी अपमान किया। कांग्रेस ने आपातकाल लगाकर संविधान के मूल्यों की धज्जियाँ भी उड़ाई।

सांसद साक्षी महाराज का विवादित बयान: बोले - "मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदें"

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस देश में मंदिरों को तोड़-तोड़कर कुछ जिहादी टाइप के लोगों ने मस्जिदों का निर्माण किया। सांसद साक्षी महाराज ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। जो हमारे पास वैदिक संपदा है, दुनिया में किसी के पास नहीं है। यह मंदिरों और वेदों का देश है। शायद ही कोई ऐसा गांव होगा, जहां मंदिर न हो। लेकिन, इस देश में कुछ जिहादी टाइप के लोगों ने मंदिरों को तोड़कर मस्जिदों का निर्माण किया है। उन्होंने कहा कि समझदार मुसलमान खुद ही देख लें कि कहां-कहां मंदिरों को तोड़कर मस्जिद बनाई गई है। तो, भविष्य में किसी को किसी प्रकार की विवेचना और सर्वे की जरूरत नहीं पड़ेगी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान को लेकर उन्होंने कहा कि अमित शाह ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के सम्मान में कुछ बातें कही थी। लेकिन, कांग्रेस ने डॉ. अंबेडकर के साथ अन्याय किया। उन्हें लोकसभा चुनाव में हराने का काम किया गया था।

वह क्या कारण बने थे कि देश के पहले कानून मंत्री बाबा साहेब को इस्तीफा देना पड़ा था। कांग्रेस ने अंबेडकर के साथ सदा अन्याय किया और अनीति की। उनका अपमान किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमने पंच तीर्थों का निर्माण किया। बाबा साहेब की कृपा के कारण मैं सातवीं बार सांसद हूं और एक बहुत छोटे परिवार में जन्मा चाय बेचने वाले का बेटा प्रधानमंत्री है। साक्षी महाराज ने संसद परिसर में भाजपा सांसदों के घायल होने के मुद्दे पर कहा कि मेरे सामने वह घटना घटी थी। कांग्रेस ने बदतमीजियों की सारी सीमा पार कर दी। गांधी परिवार ने देश का बहुत नुकसान किया और देश का बंटवारा करवाया।

विवाद से विश्वास बढ़ायेगा टेक्सपेयर्स और टेक्स एडमिनिस्ट्रेशन के बीच पारदर्शिता: कमीशनर आफ इंकट टेक्स काहलों

चंडीगढ़, (विशेष संवाददाता) भारत सरकार की विवाद से विश्वास योजना न केवल प्रोब्लम्स सोल्यूशंस के लिये एक मैकेनिज्म (तंत्र) है बल्कि टेक्सेपेयर्स और टेक्स एडमिनिस्ट्रेशन के बीच विश्वास और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सार्थक कदम है जो देश को आर्थिक मजबूती देने में ओर अधिक योगदान देगा। यह भाव कमीशनर आफ इंकट टेक्स (टीडीएस) जेएस काहलों (आईआरएस) ने सेक्टर 35 स्थित सीए भवन में सीए संघ के सर्वोच्च संघ - दी इंस्टीच्यूट आफ चार्टेड एकाउटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई) द्वारा आयोजित सेमिनार आन डायरेक्ट टेक्स विवाद से विश्वास स्कीम 2024 के दौरान प्रकट किये। काहलों ने आहवान किया कि टेक्स पेयर्स सही समय और ईमानदारी से टेक्स जमा कर ही जटिलताओं से दूर रहा जा सकता है। सेमिनार आयोजित करने का उद्देश्य योजना के प्रमुख पहलुओं और वित्तीय बाजार में नित नये प्रोसपेक्टिव्स (दृष्टिकोणों) पर चर्चा करना था जिसमें चंडीगढ़ ट्राईसिटी के लगभग 200 सीए सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दोरान एडीशनल कमीशनर आफ इंकम टेक्स (टीडीएस) डॉ गगन कुंदरा (आईआरएस) भी शामिल हुई। सेमिनार के दौरान विवाद समाधान और डेरिवेटिव इंस्टरुमेंट्स के माध्यम से मार्केट रिटर्न बढ़ाने की उन्नत तकनीकों की गहन समझ प्रदान की गई।

साली की चाहत में पत्नी की हत्या करवाई

गया। साली से अवैध प्रेम संबंध के कारण पत्नी की हत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पति समेत अन्य अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है।

।यह मामला गया जिला से जुड़ा हुआ है. जिले के एस एस पी आशीष भारती ने बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि 10 दिसंबर को लूट के दौरान महिला की गोली मार कर हत्या कर देने के मामले में पति समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है।

जब मृतका अपने पति के साथ बाइक से बाजार से घर लौट रही थी तभी रात में कुछ अपराधियों ने लूट के दौरान दंपति से लूटपाट करने लगे विरोध करने पर महिला को अपराधियों ने गोली मार दिया था वही महिला के पति को खरोच तक नहीं आई थी। इस मामले में जब पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया तो सबसे पहले शक मृतका के पति पर गया, फिर उसे विरासत में लेकर सख़्ती से पूछताछ की गई, तो मृतका के पति पंकज कुमार ने ही अपनी पत्नी की हत्या कराने का जुर्म कबूल लिया।

वही इसके निशानदेही पर औरंगाबाद से शूटर आकाश कुमार को गिरफ्तार किया गया इसके पास से एक देशी पिस्तौल दो जिंदा कारतूस भी बरामद किया गया है साथ ही इसमें शामिल रहे 2 अन्य अपराधी की भी गिरफ्तारी हुई है।

अयोध्या में 1 जनवरी से रामलला के दर्शन का समय एक घंटे बढ़ेगा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या को देखते हुए अयोध्या में भी रामलला के दर्शन का समय 1 जनवरी से एक घंटा बढ़ाए जाने की निर्णय लिया गया है। श्री जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने सोमवार को यह जानकारी दी। अनिल मिश्रा ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि प्रयागराज में आने वाले श्रद्धालुओं की सहूलियत को देखते हुए ट्रस्ट ने निर्णय लिया है कि रामलला के दर्शन का समय 1 जनवरी से एक घंटे के लिए बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा के बाद देश और दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बहुत व्यवस्थित व्यवस्था की गई है। सात प्रवेश मार्गों का इस्तेमाल किया जाता है। यात्रियों की सुविधा के लिए वस्तुओं को रखने और उनके जूते-चप्पल रखने की व्यवस्था है। पास में दो हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। पेयजल और चिकित्सा की व्यवस्था है। इन सब सुविधाओं का लाभ उठाया जा सकता है। उसके बाद दर्शन के लिए प्रस्थान करते हैं। सुरक्षा के बाद चार पंक्तियों से लोग जाते हैं। वहां पर रामलला के दर्शन बहुत दिव्यता से होते हैं। प्रतिदिन सुगमता पूर्वक तीन लाख लोग दर्शन कर सकते हैं। पंक्ति में रहकर नजदीक से दर्शन की व्यवस्था है। निकास मार्ग पर प्रसाद की व्यवस्था है। प्रत्येक श्रद्धालु जो यहां आता है उसे प्रसाद मिलता है। प्रत्येक लाइन में बैठने के लिए बेंच भी है। तीन लाख लोग 40 से 45 मिनट में दर्शन कर सकते हैं। अगले साल 1 जनवरी से दर्शन की अवधि बढ़ाने का फैसला किया गया है। दर्शन की अवधि करीब एक घंटे और बढ़ाएंगे

35 लाख किसानों को फसली ऋण उपलब्ध कराने का लक्ष्य: भजनलाल

जयपुर। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म शताब्दी के अवसर पर देश भर में 10 हजार नवगठित एम-पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ किया गया है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त होगी। साथ ही, इन नवगठित पैक्स के बहुउद्देशीय बनने से ग्रामीण स्तर पर संसाधनों की सुगम उपलब्धता संभव हो सकेगी एवं ग्रामीणों को त्वरित सुविधाएं भी मिल सकेंगी।

शाह बुधवार को नई दिल्ली में सहकार से समृद्धि अभियान कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आरआईसी में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम से इस कार्यक्रम में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से जुड़े। इस अभियान के तहत देश भर में 10 हजार नवगठित एम-पैक्स, डेयरी व मत्स्य सहकारी समितियों का शुभारंभ किया गया। चयनित समितियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर शाह ने राजस्थान के अलवर जिले से घेवर पैक्स के अध्यक्ष रमेश चंद शर्मा को पंजीकरण का प्रमाण पत्र वितरित किया।

वाजपेयी को सहकारिता को मुख्यधारा में लाने का श्रेय

शाह ने कहा कि भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने जनता की आवाज बनकर हम सबका मार्गदर्शन किया। उन्होंने देश को परमाणु शक्ति सम्पन्न राष्ट्र, कारगिल विजय, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और भाषाओं को जीवंतता देने के लिए संगठित प्रयास जैसे अनेक काम किए जिससे देश को नई दिशा मिली। उनका पूरा जीवन हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। अटल जी ने सहकारिता को मुख्य धारा में लाने के लिए भी विशेष प्रयास किए। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता मंत्रालय का गठन किया और आगामी पांच साल में 2 लाख नए पैक्स बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। हमारा विश्वास है कि पांच वर्ष से पहले ही हम 2 लाख पैक्स बनाने का लक्ष्य प्राप्त कर लेंगे।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि आज पैक्स के कर्मचारियों के प्रशिक्षण के लिए प्रशिक्षण मॉड्यूल का अनावरण किया गया है। पैक्स को 32 प्रकार की नई गतिविधियों से जोड़ा गया है जिससे यह बहु-आयामी बन सकें। उन्होंने कहा कि निष्क्रिय पैक्स के लिक्विडेशन के लिए भी एसओपी जारी की गई है।

बी यंग 5 फूड हैबिट्स

हमें क्या खाना चाहिए और क्या नहीं, इस पर बहस सालों से चली आ रही है। इससे भी ज्यादा 'हॉट टॉपिक' यह रहता है कि खाने की कौन-कौन सी चीजें हमें युवा बनाए रखने में सहायक होती हैं। सच तो यह है कि हम में से अधिकतर लोगों को कुछ खास खाने की चीजों को लेकर भ्रम बना रहता है। कुछ सोचते हैं कि हमें चॉकलेट नहीं खानी चाहिए तो कुछ का सोचना है कि हमें चॉकलेट जरूर खानी चाहिए। अधिकतर लोग वाइन के सेवन को गलत मानते हैं जबकि फूड साइंस कुछ और ही कहता है। आइए जानते हैं, कुछ ऐसे फूड्स को, जो हमें हेल्दी रखने के साथ ही यंग बनाए रखने में सहायक होते हैं –

दही : इसमें कैल्शियम खूब होता है, जिसमें ऑस्टियोपोरोसिस को दूर रखने की क्षमता होती है। इसमें 'गुड बैक्टीरिया' होता है, जो हमें स्वस्थ बनाए रखता है और उम्र से जुड़ी इंटेस्टाइनल बीमारियों को खत्म करता है।

चॉकलेट : कोकोआ से बनी चीजों को खाने से दिल की बीमारी होने की आशंका कम रहती है, कई शोधों से यह तथ्य स्पष्ट हो चुका है। कोकोआ में फलैवेनल्स होता है, जो ब्लड वेसल्स की कार्यप्रणाली को स्वस्थ बनाए रखता है। इससे हाई ब्लड प्रेशर का रिस्क कम रहता है, टाइप 2 डायबिटीज, किडनी का रोग और डॉमेंशिया के होने की आशंका कम होती है।

ऑलिव ऑयल : सालों पहले ही यह पता चल गया था कि इसमें बसा मोनोसैचुरेटेड फैट दिल की बीमारी और कैंसर को दूर रखता है। अब के शोधों से यह पता चला है कि ऑलिव ऑयल में पोलीफेनोल्स, एंटिऑक्सिडेंट भी होता है, जो उम्र से जुड़े रोगों को दूर रखता है।

नट्स : कुछ अध्ययन बताते हैं कि जो लोग नट्स खाते हैं, वे ढाई साल ज्यादा जीते हैं। इसमें अनसैचुरेटेड फैट होता है, जिससे वही लाभ होता है जो ऑलिव ऑयल के सेवन से होता है। ये विटामिन, मिनरल और एंटिऑक्सिडेंट्स सहित अन्य फाइटोकेमिकल्स के मुख्य स्रोत होते हैं।

वाइन : सही और सीमति मात्रा में अल्कोहल का सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज और उम्र से होने वाली याददाश्त की बीमारी से छुटकारा दिलाता है। कहा जाता है कि किसी भी तरह के अल्कोहल के सेवन से यह लाभ मिलते हैं लेकिन रेड वाइन ही इस तरह के अध्ययन का केंद्र रही है। इसमें रेस्वेरैटल होता है, जिससे इस तरह के लाभ होते हैं। साथ ही जानवरों पर हुए शोध बताते हैं कि इसके सेवन से वह जीन्स एक्टिवेट होते हैं, जो बुढ़ापा कम कर सकते हैं।

हेल्थ प्लस

केला, सेब खाआ याददाश्त बढ़ाआ

सेब, संतरा और केला खाआ और सेहत बनाआ...यह बात आपने काफी सुनी होगी। लेकिन बहुत कम लोग जानते हैं कि सेहत के अलावा इन फलों के सेवन से दिमाग भी स्वस्थ रहता है, लोगों की याददाश्त बढ़ती है और कैंसर के उपचार में भी लाभदायक होते हैं। अमेरिका और दक्षिण कोरिया के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एक अध्ययन के बाद इस तथ्य का खुलासा किया है। 'मेडिकल न्यूज टूडे' के ऑनलाइन संस्करण पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक न्यूयार्क के 'कारनेल विश्वविघालय' और दक्षिण कोरिया के विभिन्न विश्वविघालयों के वैज्ञानिकों ने हाल ही में इस बाबत एक अध्ययन किया था। अध्ययन के तहत वैज्ञानिकों को ज्ञात हुआ कि इन तीनों फलों से निकलने वाले रासायनिक मिश्रण कैंसर सेल्स की वृद्धि को रोकने में सहायक होते हैं।

मां का दूध बचा सकता है बच्चें की जान

अगर बच्चों को जन्म लेने के एक घंटे के भीतर मां का दूध पिलाया जाए तो शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी लाई जा सकती है। अकेले भारत में ही इससे हर साल 2 लाख 50 हजार बच्चों की जान बचाई जा सकती है। यूनिसेफ के कार्यकारी निदेशक एनएम वेनमैन का कहना है कि मां के दूध में सर्वोत्तम पोषक आहार और जबरदस्त रोग प्रतिरोधक क्षमता भी होती है। इसके अलावा यह बात भी वैज्ञानिक तरीके से साबित हो गई है कि मां का दूध बच्चे के मानसिक एवं शारीरिक विकास के लिए उत्तम होता है।

उन्होंने कहा कि इसके बावजूद बड़ी संख्या में नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में कई बच्चे विभिन्न बीमारियों के शिकार होकर समय से पहले ही मर जाते हैं। वेनमैन ने कहा कि इस वर्ष एक अगस्त से सात अगस्त तक मनाए जाने वाले विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम 'ब्रेस्ट फीडिंग: द फर्स्ट आवर सेव वन मिलियन बेबीज' रखी गई है। उन्होंने कहा कि यह थीम नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिए विश्व समुदाय का ध्यान आकर्षित करने का एक बेहतर अवसर है। अगर 90 फीसद शिशुओं को जन्म के एक घंटे के भीतर मां का दूध मिलता है तो इससे शिशु मृत्यु-दर में 22 फीसद की कमी आ सकती है। यूनेस्को और विश्व स्वास्थ्य संगठन के इस अभियान से जुड़े 'इंटरनेशनल बेबीफूड एक्शन नेटवर्क' 'आईबीएफएएन' के एशिया क्षेत्र के समन्वयक डा. अरूण गुप्ता ने बताया कि जागरूकता के अभाव में अक्सर नवजात शिशुओं को मां का दूध नहीं मिल पाता। ऐसे में बच्चों का विकास बाधित होता है।

उन्होंने 'यूनिसेफ 2007' की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि भारत में हर साल करीब 2.5 करोड़ बच्चों का जन्म होता है। इनमें से 10.9 लाख बच्चों की पांच साल की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते मृत्यु हो जाती है। इन बच्चों में से 10.4 लाख बच्चे सिर्फ एक साल की उम्र में ही दम तोड़ देते हैं। अगर नवजात शिशुओं के पोषण पर समुचित ध्यान दिया जाए तो मौत का यह आंकड़ा काफी हद तक घटाया जा सकता है। डा. गुप्ता के अनुसार देश में केवल 23.4 फीसद नवजात शिशु ही जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान करते हैं। कुपोषण और बाल मृत्यु-दर से निपटने के लिए स्तनपान की आर पूरी तरह ध्यान देना होगा।

जहर से भरा है आपका मेकअप बॉक्स!

स्त्रियों में बचपन से लेकर बुढ़ापे तक सजने-संवरने का जन्मजात गुण है। यह विशेषता कुदरत ने उन्हें तोहफे में दी है और यही उनकी कमजोरी भी है। महिलाओं की इसी कमजोरी को सौंदर्य सामग्री बनाने वाली दुनिया भर में फैली कंपनियां भुना रही हैं। हालांकि हाल ही में छपी एक तथ्यपरक किताब में खूबसूरती निखारने वाले उत्पादों के स्याह पक्ष को प्रस्तुत किया गया है। इसमें लेखक ने यह भी बताया है कि हर्बल चीजें सौंदर्य बढ़ाने के साथ निरापद भी हैं।

तमाम तरह के दावे करने वाली इन कंपनियों के उत्पादों की गुणवत्ता के बारे में दिखाए जाने वाले विज्ञापनों की चकाचौंध में आंखें बंदकर महिलाएं उन्हें खरीदने में देर नहीं लगातीं। सौंदर्य प्रसाधन बनाने वाली कंपनियों का कारोबार कितना बड़ा है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अकेले ब्रिटेन में ही कास्मेटिक और सुगंधित चीजों के निर्माण में लगी कंपनियों का कारोबार प्रतिवर्ष 650 करोड़ पौंड से अधिक का है। खोजी पत्रकार डान मेलोशिप की नई किताब 'टोक्सिक ब्यूटी' में कास्मेटिक वस्तुओं के पीछे की हकीकत से रूबरू कराया गया है। डान कहते हैं कि सौंदर्य प्रसाधन की जगमगाती बोतलों और ट्यूब के अंदर खतरनाक किस्म के जहर भरे होते हैं जो विभिन्न तरह की गंभीर बीमारियों को जन्म देते हैं। खूबसूरत बनाने के नाम पर कास्मेटिक चीजों में मिलाए गए रसायन एलर्जी से लेकर कैंसर जैसे गंभीर रोग पैदा करते हैं।

डान के अनुसार बालों को रंगने वाली डाई में प्रयुक्त किए जाने वाले रसायनों से त्वचाशोथ (एक तरह का एक्जिमा) हो जाता है। बालों को स्थायी रूप से रंगने वाली डाई में प्रयोग किया जाने वाला पैरा फिनाइलीन डाइअमीन (पीपीडी) त्वचा के संपर्क में आकर एलर्जी और एक्जिमा को जन्म देता है। पीपीडी अभी तक ब्रिटेन और अमेरिका में धड़ल्ले से इस्तेमाल किया जा रहा है। जबकि जर्मनी में बालों की डाई में इसके इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा हुआ है। फ्रांस और स्वीडन में कई साल पहले ही स्वास्थ्य पर पड़ने वाले इसके दुष्प्रभावों के बारे में बताया जा चुका है।

डान की किताब में छपी रिपोर्ट के अनुसार क्लीजनर, शैंपू, बब्बल बाथ और टूथपेस्ट में भी एक खतरनाक रसायन सोडियम लाराइल सल्फेट (एसएलएस) इस्तेमाल किया जाता है। जो त्वचा के साथ ही आंखों के लिए भी नुकसानदायक है। नेल पालिश में प्रयोग किए जाने वाला फार्मेल्डिहाइड और टेल्कम पाउडर में इस्तेमाल होने वाला 90 प्रतिशत खनिज टाल्क भी त्वचा और आंखों को नुकसान पहुंचाता है। डियोडोरेंट में प्रयुक्त रसायन से स्तन कैंसर तक हो सकता है।

डान के अनुसार हमें कास्मेटिक वस्तुओं के बजाय शुद्ध वनस्पति से बनी सामग्री का इस्तेमाल करना चाहिए। जैसे बालों को रंगने के लिए मेहंदी का प्रयोग किया जाना चाहिए। इसके अलावा भी अन्य बहुत सी वनस्पतियां हैं जो दूसरी खूबसूरती बढ़ाने वाली कास्मेटिक सामग्री का बेहतर विकल्प बन सकती हैं।

फ्लू हो या अल्कोहल, नुकसान समान

सिर्फ शराब पीकर ही गाड़ी चलाना खतरनाक नहीं बल्कि सर्दी एवं फ्लू की अवस्था में गाड़ी चलाना भी उतना ही खतरनाक होता है। एक नए शोध से इस तथ्य की पुष्टि होती है। इस शोध में पाया गया कि सर्दी व फ्लू के कारण सिर भारी होने, नाक बहने, छींक आने या पूरी तरह चौकन्न नहीं रहने आदि लक्षणों से हमारी ड्राइविंग क्षमता पर वैसा ही असर पड़ता है जैसा कि अल्कोहल के सेवन से। ब्रिटेन में 2008 में हुई दस में से एक दुर्घटना सर्दी या फ्लू के कारण हुई। विशेषज्ञों के अनुसार, जाड़े के मौसम में जब सर्दी या फ्लू महामारी का रूप ले लेती है, उस समय इसके कारण होने वाली दुर्घटना बढ़ जाती है।

ब्रिटेन की लॉयड्स टीएसबी बीमा कंपनी द्वारा कराए गए शोध में तनाव, सिरदर्द, सर्दी या फ्लू एवं अन्य ऐसी ही स्वास्थ्य अवस्थाओं से गुजर रहे 102 ड्राइवरों पर अध्ययन किया गया। 'हेजार्ड सिमुलेटर टेस्ट' में तनाव व सिरदर्द आदि से गुजर रहे ड्राइवरों का चौकन्नपन एवं प्रतिक्रिया करने आदि के मामले में स्कोर सामान्य ड्राइवरों की तुलना में चार अंक नीचे रहा जबकि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त ड्राइवरों का प्रदर्शन स्वस्थ ड्राइवरों की तुलना में 11 अंक नीचे रहा। ऐसा स्कोर वैसे ड्राइवरों की होती है जिस पर ड्राइविंग से पहले डबल व्हीस्की का नशा चढ़ा हो। ऐसे स्पष्ट खतरे के बावजूद समस्या के प्रति लोगों में जागरूकता बहुत कम पाई गई। 38 फीसद ड्राइवरों ने बताया कि सर्दी एवं फ्लू से ग्रस्त होने के बावजूद गाड़ी ड्राइव करते रहे हैं।

तकरीबन आधे ड्राइवरों का कहना था कि ऐसी बीमारियों का उनकी ड्राइविंग क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। बीमा कंपनी की प्रवक्ता पाउला लेवलीन ने कहा कि हमारे द्वारा कराए गए इस शोध से यह प्रमाणित होता है कि बीमारी की अवस्था में गाड़ी चलाने से प्रतिवर्ष हजारों मौतें होती हैं। डॉ. डॉन हार्पर ने कहा कि ड्राइवरों के प्रर्दशन पर पड़ने वाला प्रभाव वैसा ही होता है जैसा कि अल्कोहल के दो यूनिट (या खून में अल्कोहल की मात्रा 0.05-0.075 मिलीग्राम/100 एमएल होने से) से पड़ता है। उन्होंने बताया कि सुरक्षित ड्राइविंग के लिए एकाग्रता एवं त्वरित प्रतिक्रिया का होना आवश्यक है और यह दोनों ही हल्की सर्दी या फ्लू से भी काफी घट जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, ङ्घचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

''आगे-आगे गौरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा मे

जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-6

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

काकुरो पहेली - 1939

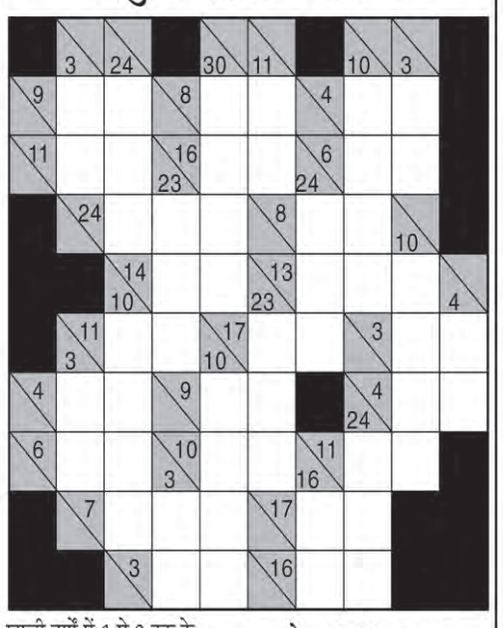

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 1938 का हल

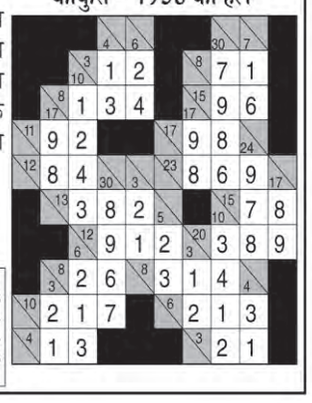

लॉफिंग ज़ोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला- पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी- अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला- मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

□ □ □

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा- मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज-रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा- वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

□ □ □

गीता अपनी सहेली सीता से बोली- पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता- अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 1939

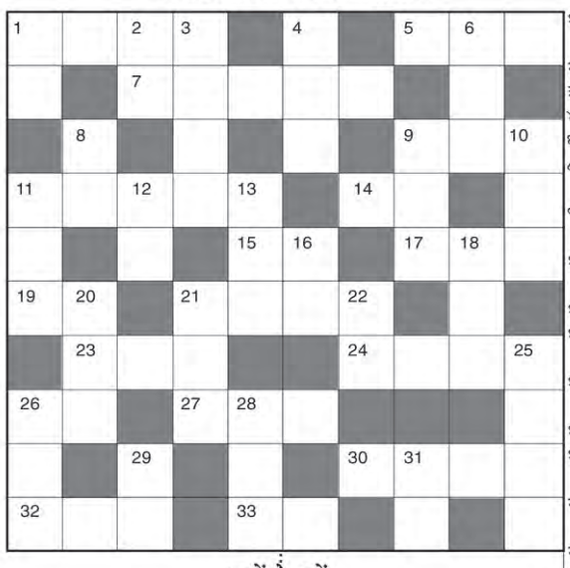

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 1938

बा	ग	बा	न		खु		स	ल	मा
गी		द		आ	शी	वा	द		लि
	स	ल	मा	न			मा	शू	क
खौ	फ		या		वा	दा		ल	
	र	न		पा	प		भू		प
का		या	दे		स	पू	त		ग
म	नो	ज		जीं		र्णि		छा	या
चो		मा	चि	स		मा	ला		ध
र	वी	ना			ब्लै		ड़		न
	रू		न	म	क	ह	ला	ल	

सूडोकु -1939

6	9			7	4		8	
	8	5	6	2			4	9
7						6		3
	3	9	5				1	
1				8				5
	6				2	9	3	
4		7						2
8	2			5	9	1	7	
	1		2	3			5	8

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1938 का हल

6	5	3	9	1	7	2	8	4
9	1	8	2	6	4	3	7	5
7	4	2	5	3	8	1	9	6
3	7	1	6	9	2	4	5	8
8	6	9	1	4	5	7	2	3
5	2	4	8	7	3	9	6	1
2	9	5	4	8	1	6	3	7
4	3	6	7	5	9	8	1	2
1	8	7	3	2	6	5	4	9

शब्द पहेली - 1939

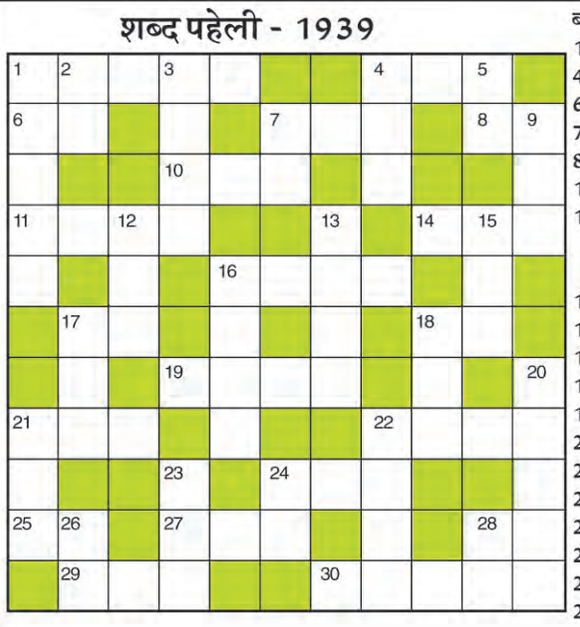

बाएँ से दाएँ

1.हाईकमान-5
4.बुशर्ट,शर्ट-3
6.लाख,गोंद-2
7.प्रतिज्ञा-3
8.मां का भाई-2
10.धनवान,रईस-3
11.मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14.जिज्ञासा,उत्साह-3
16.अनगिनत-4
17.वर्ष,बरस-2
18.लय,स्वर-2
19.गदर,बलवा-4
21.ईर्ष्या-3
22.गरुर,घमंड-4
24.राजा,सम्राट-3
25.पानी से सराबोर-2
27.व्यर्थ,फिजूल-3
28.चतुर्थ,चौथा-2
29.बहने का भाव-3
30.मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.आरामदायी-5
2.एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3.सेवा शुल्क-4
4.अभिव्यक्ति-3
5.बचत,जोड़-2
7.वहम-2
9.स्वामी-3
12.प्रवेश-3
13.धरोहर,थाती-4
15.तरंग,हिलोर-3
16.निरंकुश,मुंहजोर-4
17.किनारा,तट
18.कामधेनू, सुगंध-3
20.नुकसानदेह-5
21.दुनिया,जग-3
22.कहासुनी-4
23.चयन-3
24.चट्टान,शिला (अंग्रेजी-2)
26.ईश्वर,भगवान-2
28.प्रेम,लगन-2

शब्द पहेली - 1938 का हल

	बं	दा	न	वा	ज		आ	स	मा	न
न	दी		र		ल	बा	दा		र	जा
व		ज	म	ज	म		ब	री		क
जी	म	ना			ह	ठ		ता	क	त
ब		चा		जे	ल		पे		ता	
न	ग	र	से	ठ		फ	ट	का	र	ना
	री		ना		स	ना		रे		म
सु	ब	ह		दा	म			बा	री	क
र		क	श		झ	न	का	र		र
ता	प		प	र	दा		म		क	ण
ल	थ	प	थ		र	च	ना	का	र	

पीकेएल सीजन 11 के प्लेऑफ की शुरुआत, शीर्ष 6 कोचों ने की युवा सितारों की प्रशंसा

एजेंसी

पुणे। पीकेएल सीजन 11 का प्लेऑफ सप्ताह 26 दिसंबर से शुरू हो रहा है। पीकेएल का बैटल रॉयल श्री शिव छत्रपति स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, बालेवाड़ी, पुणे से शुरू होगा। पहला मुकाबला हरियाणा स्टीलर्स और यूपी योद्धाओं के बीच होगा। दोनों टीमों ने कभी खिताब नहीं जीता है। वहीं, तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स, सीजन 8 की विजेता दबंग दिल्ली के.सी., सीजन 1 और 9 की खिताब धारक जयपुर पिंक पैंथर्स और सीजन 2 की चैंपियन यू मुंबा की टीमें भी लीग चरण के आखिरी गेम के साथ प्लेऑफ के लिए क्वालिफिकेशन सुनिश्चित कर सकें। इस प्रकार की कड़ी टक्कर से स्पष्ट है कि यह सीज़न कितना प्रतिस्पर्धी रहा है। कबड्डी के खेल के छह कोच मनप्रीत सिंह (हरियाणा स्टीलर्स), जोगिंदर नरवाल (दबंग दिल्ली के.सी.), जसवीर सिंह (यूपी योद्धा), नरेंद्र रेधु (पटना पाइरेट्स), घोलमरेजा माज़ंदरानी (यू मुंबा) और संजीव बालियान (जयपुर पिंक पैंथर्स) ने पंगा राउंडटेबल में विस्तार से बात की और पीकेएल सीजन 11 के विभिन्न पहलुओं पर बात की।

महेश्वरी और अनंतजीत ने राजस्थान के लिए स्कीट मिश्रित टीम का राष्ट्रीय खिताब जीता

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने वाली महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नारुका की जोड़ी ने अपने राज्य राजस्थान के लिए स्कीट मिश्रित टीम का राष्ट्रीय खिताब जीतकर साल का अच्छा समापन किया। 67वीं राष्ट्रीय शूटिंग चैम्पियनशिप प्रतियोगिता के दौरान डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डीकेएसएसआर) में खेले गए फाइनल में इस जोड़ी ने उत्तर प्रदेश के मेराज अहमद खान और अरेबा खान को 44-43 के करीबी स्कोर से हराया। पंजाब की गनेमत सेकॉन और अभय सिंह सेकॉन की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता। इससे पहले दिन में, महेश्वरी और अनंतजीत ने तीन 25-शॉट राउंड में क्रमशः 72 और 71 का स्कोर करके सात टीमों के क्वालिफिकेशन राउंड में शीर्ष स्थान हासिल किया। तीन टीमें- ग़नेमत और अभय, हरियाणा के इशान लिब्रा और रायज़ा ढिल्लों, और मेराज और अरेबा ने 141 के समान स्कोर किया, जिसके बाद उत्तर प्रदेश की जोड़ी ने आठ लगातार लक्ष्य साधकर तीन-तरफा शूट-ऑफ में जीत हासिल की और स्वर्ण के लिए मुकाबला करने का अधिकार प्राप्त किया। महेश्वरी और अनंतजीत ने आत्मविश्वास से भरे हुए फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और छह श्रृंखलाओं के दौरान लगातार नेतृत्व बनाए रखा, लेकिन महेश्वरी को उनके शॉट समय की सीमा पार करने के कारण चेतावनी मिलने और ध्यान की कमी ने अंत में इसे और भी करीब बना दिया।

खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने शहर, राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं : प्रिया अग्रवाल

मुरादाबाद। मंडलीय ओलम्पिक संघ एवं क्षेत्रीय खेल कार्यालय के तत्वाधान में मंडल स्तरीय बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता का समापन किया गया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रिया अग्रवाल ने खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण करते हुए कहा कि खेलों के माध्यम से खिलाड़ी अपने शहर, राज्य और राष्ट्र का नाम रोशन करते हैं। हम सभी को खिलाड़ियों का हमेशा उत्साहवर्धन करना चाहिए। इस टूर्नामेंट में मंडल के विभिन्न जिलों के लगभग 250 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। उप ओलम्पिक संघ के क्षेत्रीय सचिव डॉ. अजय पाठक ने मंडल स्तरीय बालक-बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता के परिणाम की घोषणा करते हुए बताया कि अंडर-15 बालक डबल्स में विजेता रहे अश्मित कुमार (शिरडी सॉई), शिवम शर्मा (सोनकपुर स्टेडियम) की जोड़ी ने यश चौहान जीके बेलहम एवं विशिष्ट चतुर्वेदी (स्प्रिंगफील्ड) की जोड़ी 21-15, 12-21, 21-18 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-15 बालक सिंगल्स विशिष्ट चतुर्वेदी (स्प्रिंगफील्ड) ने यश चौहान (जीके बेलहम) को 21-12, 12-21, 21-17 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-19 बालक डबल्स पीयूष आहूजा एवं शौर्य मिश्रा (स्टेडियम) की जोड़ी ने अनन्त कपूर (गोल्डन गेट) एवं मयंक यादव (स्टेडियम) की जोड़ी को 15-21, 21-19, 24-22 से हराकर चौम्पियन बना। अंडर-19 बालक सिंगल्स मंयक यादव (स्टेडियम) ने पीयूष आहूजा (स्टेडियम) को 21-15, 15-21, 21-19 से हराया। अंडर 15 बालिका डबल्स अवनी सिंह (एस0एससीए) एवं श्रेया सिंह ने अदिति सिंह (केन्द्रीय विद्यालय) एवं मानसी (मैथोडिस्ट) 21-12, 10-21, 21-19 से हराया। अंडर-19 बालिका डबल्स अवनी सिंह (एसएससीए) एवं अक्षिता (पीएमएस) ने अराधना शर्मा एवं प्रियांशी यादव 21-15, 21-18 से हराया।

राज्य स्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का स्वागत

मुरादाबाद। मेरठ के मिलेनियम पब्लिक स्कूल में आयोजित हुई एक दिवसीय राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण व रजत पदक जीतकर लौटे खिलाड़ियों का आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी में स्वागत अभिनंदन किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के 15 से अधिक जिलों के 300 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। रोलर स्केटिंग के कोच शाहवेज अली ने बताया कि आरएसडी स्पोर्ट्स एकेडमी मुरादाबाद के चार खिलाड़ियों ने 22 दिसंबर को मेरठ में हुई एक दिवसीय राज्यस्तरीय रोलर स्केटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया था।

खेलों की दुनिया में पंजाब के नाम रहा साल 2024

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब सरकार द्वारा खेलों के क्षेत्र में किए गए उपक्रमों के चलते देश भर में साल 2024 राज्य के नाम रहा है। पंजाब को खेलों के क्षेत्र में देश का नंबर एक राज्य बनाने और राज्य में खेल संस्कृति पैदा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत मान, जिनके पास खेल विभाग भी है, द्वारा साल 2023 में बनाई गई नई खेल नीति को जमीनी स्तर पर लागू करने के साथ ही साल 2024 में इस नीति के सार्थक परिणाम सामने आए हैं।

सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि इस साल पेरिस ओलंपिक में भारत के कुल 100 खिलाड़ियों में से 19 अकेले पंजाब के थे। इनमें 10 हॉकी खिलाड़ी, छह निशानेबाजी, दो एथलेटिक्स और एक गोल्फ के थे। इसके अलावा तीन पंजाबी खिलाड़ियों ने पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा लिया जिनमें एक पैरा एथलीट, एक पैरा बैडमिंटन खिलाड़ी और एक पैरा पावर लिफ्टर थे। नई खेल नीति के तहत 22 खिलाड़ियों को तैयारी के लिए 15 लाख रुपए प्रति खिलाड़ी के हिसाब से कुल 3.30 करोड़ रुपए दिए गए।

साल 2024 के पेरिस ओलंपिक में इतिहास रचते हुए भारतीय हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीता। इसमें 8 खिलाड़ी पंजाब के थे। मुख्यमंत्री ने

पंजाब का नाम रोशन करने वाले इन खिलाड़ियों को प्रति खिलाड़ी एक करोड़ रुपये के इनाम के हिसाब से कुल 8 करोड़ की राशि के साथ सम्मानित किया। दो पंजाबी हॉकी खिलाड़ी रिजर्व थे जिन्हें 15-15 लाख रुपए दिए। इसके अलावा ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले बाकी नौ खिलाड़ी और तीन पैरा खिलाड़ियों को भी हिस्सा लेने के लिए 15 लाख रुपए प्रति खिलाड़ी के साथ सम्मानित किया गया। इस तरह पेरिस ओलंपिक और पैरालंपिक के कुल 22 पंजाबी खिलाड़ियों को तैयारी, इनाम और हिस्सा लेने की राशि मिलाकर कुल 13.10 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम का कप्तान हरमनप्रीत सिंह 10 गोलों के साथ ओलंपिक का शीर्ष स्कोरर भी बना जिसने पंजाबियों का नाम दुनिया भर में चमकाया। इस साल पंजाब के 11 नामी खिलाड़ियों को पी.सी.एस. और डी.एस.पी. की नौकरियां दी गई। इनमें नौ हॉकी खिलाड़ियों में से चार खिलाड़ियों हार्दिक सिंह, रुपिंदर पाल सिंह, सिमरनजीत सिंह और गुरजंत सिंह को पी.सी.एस. और पांच हॉकी खिलाड़ियों हरमनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, शमशेर सिंह और वरुण कुमार तथा एक एथलीट तेजिंदर पाल सिंह तूर और एक क्रिकेटर हरमनप्रीत कौर को डी.एस.पी. लगाया गया। मुख्यमंत्री ने खेलों को और प्रफुल्लित करने के लिए साल 2023 में नई खेल नीति लागू की। इस नीति के तहत बेहतर कोचिंग, खेल सामान और रिफ्रेशमेंट वाली क्लस्टर स्तर की 1000 खेल नर्सरियां स्थापित की जानी है। साल 2024 में पहले चरण में 260 नर्सरियां बनाने का काम शुरू किया जा चुका है जो जल्द ही क्रियान्वित होंगी। मुख्यमंत्री ने पंजाब में पहली बार 'खेडां वतन पंजाब दीयां' की शुरुआत की ताकि उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका दिया जा सके। साल 2024 में 'खेडां वतन पंजाब दीयां' का तीसरा सीजन सफलतापूर्वक करवाया गया जिसमें पांच लाख के करीब खिलाड़ियों ने 37 खेलों के नौ आयु वर्गों में हिस्सा लिया।

महज 14 साल की उम्र में भारतीय स्क्वैश टीम में जगह बनाने वाली अनिका ने कहा– भारत के लिए खेलना एक सपना सच होने जैसा

एजेंसी

नई दिल्ली। महज 14 साल की उम्र में, अनिका दुबे, जिन्हें प्यार से पुणे की गोल्डन गर्ल के नाम से जाना जाता है, ने फरवरी 2025 में हांगकांग में होने वाली आगामी एशियाई टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाकर एक असाधारण उपलब्धि हासिल की है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि उन्हें इस तरह के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली महाराष्ट्र की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनाती है।

अपनी इस उपलब्धि पर अनिका ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत की। उन्होंने इस दौरान अपनी अब तक की यात्रा पर विस्तार से बताया। अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का प्रतिनिधित्व करने को लेकर अनिका ने कहा, भारत का प्रतिनिधित्व करना न केवल एक शानदार अवसर है, बल्कि एक रोमांचक अनुभव भी है। यह एक सपने के सच होने जैसा है। स्क्वैश को अब ओलंपिक 2028 में शामिल कर लिया गया है, इसलिए खिलाड़ियों के लिए तैयारी शुरू करने और एक मजबूत टीम बनाने का यह एक रोमांचक समय है। मेरा मानना ??है कि दृढ़ता और समर्पण रास्ते में आने वाली किसी भी कठिनाई को दूर करने में मदद कर सकता है।

अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए अनिका ने कहा, शुरू में, पढ़ाई और खेल के बीच संतुलन बनाना एक चुनौती थी। मुझे कई रातें देर से पढ़ाई और सुबह जल्दी प्रशिक्षण सत्र की याद है। हालांकि, मैंने आखिरी क्षण तक इंतजार करने के बजाय पहले से अच्छी तरह से अध्ययन करके अपने समय प्रबंधन कौशल में सुधार किया। इससे मुझे आगे रहने और दोनों प्रतिबद्धताओं को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में मदद मिली।

एशियाई स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने पर परिवार की क्या प्रतिक्रिया थी? इस सवाल पर अनिका ने कहा, मेरा परिवार, खासकर मेरा छोटा भाई, सिर्फ़ सहायक ही नहीं रहा है। वह हर मैच में मेरा उत्साहवर्धन करता है, और मैदान के किनारे से अपने परिवार का प्रोत्साहन देखकर मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ देने के लिए गर्मजोशी और प्रेरणा की भावना से भर देता है।

अपना पहला मैच खेल रहे सैम कोंस्टास ने ऑस्ट्रेलिया को दिलाई तूफानी शुरुआत, जड़ा अर्धशतक

एजेंसी

मेलबर्न। अपना पहला टेस्ट मैच खेल रहे युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास के बेहतरीन अर्धशतक की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत यहां खेले जा रहे बॉक्सिंग टेस्ट मैच के पहले दिन लंच तक 1 विकेट पर 112 रन बना लिए हैं। उस्मान ख्वाजा 38 और मार्नस लाबुशेन 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 60 रनों की रोमांचक अर्धशतकीय पारी खेली। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। सैम कोंस्टास ने उस्मान ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया को अच्छी शुरुआत दिलाई। विशेषकर कोंस्टास ने टी-20 प्रारुप की तरह बल्लेबाजी करनी शुरु की। उन्होंने खासकर बुमराह पर निशाना साधा और उनकी जमकर खबर ली। देखते ही देखते उन्होने अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया। ख्वाजा और कोंस्टास ने 19.1 ओवर में 89 रन

जोड़ लिये। रवींद्र जडेजा ने इसी स्कोर पर कोंस्टास को एलबीडब्ल्यू कर यह साझेदारी तोड़ी। कोंस्टास ने 65 गेंदों पर 6 चौके और 2 छक्के की बदौलत 60 रन बनाए। इसके बाद उस्मान ख्वाजा और मार्नस लाबुशेन ने लंच तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। ख्वाजा 38 और लाबुशेन 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। बता दें कि इस मैच के लिए भारत ने अपनी टीम में एक बदलाव किया है। शुभमन गिल को बाहर किया गया है और उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका मिला है, वहीं, कप्तान रोहित शर्मा मैच में ओपनिंग करेंगे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने नाथन मैकस्विनी की जगह सैम कोंस्टास को टीम में शामिल किया है।

संजय मांजरेकर ने मेलबर्न टेस्ट में भारतीय टीम के चयन की आलोचना की, कहा-गिल को बाहर करना कठोर कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बॉक्सिंग डे टेस्ट में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम के चयन की आलोचना की और कहा कि बल्लेबाज शुभमन गिल को प्लेइंग इलेवन से बाहर करना एक गलत और कठोर फैसला था। टॉस के समय भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने पुष्टि की कि शुभमन गिल बॉक्सिंग डे टेस्ट से बाहर रहेंगे और वाशिंगटन सुंदर ने प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह बनाई है।

कप्तान ने यह भी कहा कि वह शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर मांजरेकर ने कहा कि एमसीजी में टीम इंडिया के लिए प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब था। पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि गिल को बाहर करने और वाशिंगटन सुंदर को शामिल करने के

फैसले से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी। उन्होंने एक्स पर लिखा, प्लेइंग इलेवन का चयन अजीब है। नॉन-टर्निंग पिच पर किए गए बदलाव से न तो गेंदबाजी मजबूत हुई और न ही बल्लेबाजी। गिल को बाहर करना कठोर है। इस बीच, ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन में अनकैप्ड अंडर-19 बैटिंग सेंसेशन सैम कोंस्टास शामिल थे, जिन्होंने उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग की।

भारत प्लेइंग इलेवन: यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेट कीपर), रवींद्र जडेजा, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप।

बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में अश्विन के रिकार्ड की बराबरी की

एजेंसी

दुबई। भारत के प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टेस्ट गेंदबाजी में 904 रेटिंग अंक हासिल कर हाल में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रविचंद्रन अश्चिन के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक कुल 21 विकेट हासिल किए हैं और इसके चलते उन्होंने शीर्ष स्थान पर 48 रेटिंग अंकों के अंतर से अपनी बढ़त बढ़ाई है। कगिसो रबाडा 856 रेटिंग अक दूसरे और जॉश हेजलवुड 852 रेटिंग अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। पैट कमिंस 822 रेटिंग अंक के साथ चौथे, रविचंद्रन अश्विन 789 रेटिंग के साथ पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा मैट हैनरी (782) छठे, नाथन लायन (770) सातवें,

प्रभात जयसूर्या (768) आठवें, नोमान अली (759) नौवें और रवींद्र जडेजा (755) रेटिंग अंक के साथ दसवें स्थान पर है। मोहम्मद सिराज एक स्थान के फायदे के साथ 24वें पायदान पर पहुंच गए हैं। जबकि पिछले टेस्ट की पहली पारी में 152 रनों की पारी खेलने वाले ट्रैविस हेड यशस्वी जायसवाल को पछाड़ते हुए बल्लेबाजी रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

शीर्ष स्थान पर जो रूट का कब्जा है। गाबा टेस्ट के एक अन्य शतकवीर स्टीव स्मिथ भी शीर्ष 10 में वापसी हुई हैं। स्मिथ ने पिछले मैच में 101 रनों की पारी खेली थी।

जबकि 70 और 20 नाबाद रनों की पारी खेलने वाले ऐलेक्स कैरी 11 पायदान की छलांग के साथ 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं। भारतीय सलामी बल्लेबाज केएल राहुल 10 पायदान की छलांग के साथ 40वें जबकि रवींद्र जडेजा नौ पायदान की छलांग के साथ 42वें स्थान पर आ गए हैं।

पंजाब एफसी को अपने अगले घरेलू मुकाबले में मोहन बागान के विरुद्ध जीत की उम्मीद

एजेंसी

नई दिल्ली। अपने घरेलू मैचों में अब तक शानदार प्रदर्शन करने वाली पंजाब एफसी को पिछले दो बाहरी मैचों में हार का सामना करना पड़ा था परंतु अपने घरेलू प्रदर्शन के दम पर शेर (पंजाब एफसी) मोहन बागान के विरुद्ध अपने अगले घरेलू मैच में जीत हासिल करना चाहती है। पंजाब एफसी 2024 का अपना अंतिम मैच खेलते हुए कल, गुरुवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में लीग टॉपर्स मोहन बागान सुपर जायंट से भिड़ेंगे। पंजाब वर्तमान में सातवें स्थान पर है, 6 जीत से 18 अंकों के साथ, और कोलकाता की इस मजबूत टीम के खिलाफ जीत हासिल कर अपनी प्लेऑफ की उम्मीदों को मजबूत करना चाहेगा। बॉक्सिंग डे का यह मुकाबला शाम 7¬30 बजे शुरू होगा। मैच से पहले बात करते हुए, पंजाब एफसी के मुख्य कोच पानायोटिस डिलमपेरिस ने कहा, हर मैच एक रणनीतिक प्रक्रिया है, यह कभी भी केवल एक खिलाड़ी या टीम पर निर्भर नहीं होता। हमारा ध्यान खिलाड़ियों, विशेष रूप से युवा खिलाड़ियों का समर्थन करने पर है। हमारे पास एक स्पष्ट योजना है, और वह कल मैदान पर दिखाई देगी। कोई तनाव नहीं है, कोई दबाव नहीं है, हम कल के मैच में आत्मविश्वास के साथ उतरेंगे। दोनों टीमें, जिन्होंने हाल ही में अपने बाहरी फिक्सचर में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया, जीत के इरादे से मैदान में उतरेंगी। हालांकि, पंजाब को घरेलू मैदान पर खेलने का अतिरिक्त लाभ मिलेगा। दोनों टीमें चोटों और निलंबनों के कारण अपने कुछ महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के बिना खेलेंगी, लेकिन फिर भी यह मुकाबला दोनों तरफ से उच्च गुणवत्ता वाले फुटबॉल का प्रदर्शन करने का वादा करता है।

वेस्ट ब्रोम छोड़ने के बाद कार्लोस कोरबेरन ने संभाली वालेंसिया की कमान

एजेंसी

मैड्रिड। ला लीगा के संयुक्त निचले क्लब वालेंसिया ने कार्लोस कोरबेरन को अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। इंग्लिश चैम्पियनशिप टीम वेस्ट ब्रोमविच एल्बियन को छोड़कर आए 41 वर्षीय कोरबेरन रुबेन बाराजा की जगह लेंगे। पूर्व कोच रुबेन बाराजा को सोमवार को बर्खास्त कर दिया गया था।

इससे पहले वालेंसिया ने अपने घरेलू मैदान पर अलावेस के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था। इस मैच से पहले टीम ने अपने पहले 17 मैचों में केवल 12 अंक ही अर्जित किए थे। माना जा रहा है कि वालेंसिया ने कोरबेरन के रिलीज क्लॉज के लिए करीब तीन मिलियन यूरो का भुगतान किया है। वेस्ट ब्रोम ने एक बयान में पुष्टि की, एल्बियन ने कार्लोस कोरबेरन के क्लब छोड़ने और ला लीगा की टीम वालेंसिया के साथ एक नया अवसर तलाशने के लिए सैद्धांतिक रूप से सहमति जताई है। 41 वर्षीय खिलाड़ी

हमारे आभार के साथ अपने वतन लौटने के लिए तैयार है। वहीं, कोरबेरन ने कहा कि यह निर्णय मेरे जीवन का सबसे कठिन निर्णय था। उन्होंने कहा, इस विशेष क्लब के लिए मेरे दिल में हमेशा एक जगह रहेगी और मुझे उम्मीद है कि एक दिन मैं आप सभी के अविश्वसनीय समर्थन के लिए धन्यवाद देने के लिए वापस आ पाऊंगा। वेस्ट ब्रोम में अपने कार्यकाल के दौरान, कोरबेरन ने अपने पहले सीज़न में क्लब को नौवें और पिछले सीज़न में इसे पांचवें स्थान पर पहुंचाया, जबकि वर्तमान में यह चैम्पियनशिप तालिका में सातवें स्थान पर है।

कोलंबो में होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेगी भारतीय टीम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दिव्यांग क्रिकेट परिषद (डीसीसीआई) ने कहा है कि 12 से 21 जनवरी तक श्रीलंका के कोलंबो में आयोजित

होने वाली दिव्यांग क्रिकेट चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारतीय टीम हिस्सा लेगी। इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान श्रीलंका और इंग्लैंड भाग ले रहे है। इस अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट से पहले भारतीय टीम जयपुर में प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। शिविर के दौरान अंतिम टीम का चयन किया जाएगा। चारों टीमों के बीच दो-दो मैच खेले जायेंगे।

टूर्नामेंट का पहला मुकाबला 12 जनवरी को भारत और पाकिस्तान की टीम के बीच खेला जायेगा। 13 जनवरी को भारतीय टीम इंग्लैंड से भिड़ेगी। 15 जनवरी को भारत का मुकाबला श्रीलंका से होगा। इसके बाद 16 जनवरी को फिर भारत और पाकिस्तान के बीच दूसरा मैच होगा। 18 जनवरी को भारत बनाम इंग्लैंड और 19 जनवरी को भारत बनाम श्रीलंका का मैच होगा। टूर्नामेंट का फाइनल 21 जनवरी को खेला जायेगा।

रोहन बोपन्ना और सुमित नागल के लिए खास रहा वर्ष 2024

एजेंसी

नई दिल्ली। वर्ष 2024 भारतीय टेनिस के लिए उतार-चढ़ाव वाला रहा, लेकिन कुछ ऐसे क्षण भी थे जो उल्लेखनीय रहे और एक उज्जवल भविष्य की उम्मीदों को जीवित रखा, विशेषकर रोहन बोपन्ना का ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के सिलसिले ने उन्हें पुरुष युगल में पहली बार विश्व नंबर 1 बनने वाला सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बना दिया और सुमित नागल ने एटीपी टॉप 100 में प्रवेश किया।

बोपन्ना की ऑस्ट्रेलियन ओपन की जीत

19 अलग-अलग जोड़ीदारों और 61 प्रयासों के बाद, बोपन्ना ने आखिरकार पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम खिताब जीत लिया, जिसकी तलाश वह तब से कर रहे थे, जब उन्होंने 22 साल पहले चेन्नई में युगल में एटीपी टूर की शुरुआत की थी। बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू

एबडेन ने मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में इटली के सिमोन बोलेली और एंड्रिया वावस्सोरी को 7-6(0), 7-5 से हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता। इस उपलब्धि ने बोपन्ना को पहली बार पुरुष युगल में विश्व नंबर 1 खिलाड़ी बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और ओपन युग में मेजर खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बना दिया। उन्हें चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म श्री पुरस्कार के लिए भी चुना गया।

एशियन युवा-जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 में भारतीय टीम ने जीते 33 पदक

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय दल ने दोहा, कतर में एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप 2024 में अपने अभियान का समापन किया, जिसमें कुल 33 पदक हासिल किए। चैंपियनशिप में 40 श्रेणियों में प्रतियोगिताएं हुई, जिनमें से प्रत्येक में जूनियर और युवा स्तर पर 20 प्रतियोगिताएं थीं। स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल मिलाकर प्रत्येक भारोत्तोलन श्रेणी में पदक अलग-अलग प्रदान किए गए। भारत के युवा भारोत्तोलकों (13 से 17 वर्ष की आयु) ने नेतृत्व करते हुए सभी सात स्वर्ण सहित 21 पदक जीते। जूनियर भारोत्तोलकों (15 से 20 वर्ष की आयु) ने तालिका में 12 पदकों का योगदान दिया। उत्तर प्रदेश की 16 वर्षीय ज्योशना सबर ने पहले दिन सुर्खियां बटोरीं। महिलाओं के युवा 40 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए, ज्योशना ने कुल 135 किग्रा (60 किग्रा स्नैच + 75 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाकर तीन स्वर्ण पदक जीते, जिससे कुल मिलाकर एक नया एशियाई रिकॉर्ड स्थापित हुआ।

पायल (महिला 45 किग्रा) और संजना (महिला 76 किग्रा) ने जूनियर और युवा वर्ग में पांच-पांच पदक जीते। पायल ने कुल 155 किग्रा (70 किग्रा स्नैच + 85 किग्रा क्लीन एंड जर्क) में कुल और स्नैच श्रेणियों में स्वर्ण पदक और युवा स्तर पर क्लीन एंड जर्क में कांस्य पदक अर्जित किया। उन्होंने महिला जूनियर 45 किग्रा कुल और क्लीन एवं जर्क में कांस्य पदक भी जीते। 17 वर्षीय संजना, जिन्होंने 230 किग्रा (90 किग्रा स्नैच + 120 किग्रा क्लीन एंड जर्क) का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ वजन उठाया, ने जूनियर स्नैच वर्ग में मामूली अंतर से चूककर पांच रजत पदक जीते। प्री-टूर्नामेंट पसंदीदा में से एक, धनुष लोगानाथन, इस साल की ढ्ढ्ड्डस्न जूनियर वर्ल्ड वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय भारोत्तोलक, पुरुषों के जूनियर 55 किग्रा में चूक गए। कोयल बार (महिला युवा 55 किग्रा) और साईराज परदेशी (पुरुष युवा 81 किग्रा) ने भारत की झोली में स्वर्ण पदक डाले, जबकि नीलम देवी ने महिला जूनियर 55 किग्रा में तीन रजत पदक जीते। अंतिम दिन, मैबम मार्टिना देवी ने महिलाओं के +87 किग्रा जूनियर डिवीजन में भारत को पदक दिलाने में योगदान दिया। उनका कुल 225 किग्रा (96 किग्रा स्नैच + 129 किग्रा क्लीन एंड जर्क) उठाने से उन्हें दो सिल्वर (ओवरऑल और क्लीन एंड जर्क) और एक कांस्य (स्नैच) मिला। पिछले साल ग्रेटर नोएडा में आयोजित एशियाई युवा और जूनियर भारोत्तोलन चैंपियनशिप में, भारतीय भारोत्तोलन दल ने कुल 42 पदक जीते। भारत की कुल पदक तालिका में जूनियर भारोत्तोलकों द्वारा जीते गए 15 पदक और युवा एथलीटों द्वारा जीते गए 27 पदक शामिल हैं। महिला जूनियर 45 किग्रा (कुल) में कांस्य, पायल¬ महिला जूनियर 45 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में कांस्य, शंकर लापुंग¬ पुरुष जूनियर 61 किग्रा (कुल) में कांस्य, संजना¬ महिला जूनियर 76 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत, संजना¬ महिला में रजत जूनियर 76 किग्रा (कुल)वल्लूरी अजय बाबू¬ पुरुष जूनियर में रजत 81 किग्रा (स्नैच) नीलम देवी¬ महिला जूनियर 55 किग्रा (स्नैच) में रजत नीलम देवी¬ महिला जूनियर 55 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत नीलम देवी¬ महिला जूनियर 55 किग्रा (कुल) में रजत माईबम मार्टिना देवी¬ महिला जूनियर +87 किग्रा में रजत (कुल)माइबाम मार्टिना देवी¬ महिला जूनियर +87 किग्रा (क्लीन एवं जर्क) में रजत,माइबाम मार्टिना देवी¬ महिला जूनियर +87 किग्रा (स्नैच) में कांस्य, एशियन यूथ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2024¬ भारत के पदक विजेता पायल¬ महिला यूथ 45 किग्रा (कुल) में स्वर्ण, पायल¬ महिला यूथ 45 किग्रा (स्नैच) में स्वर्ण, पायल¬ महिला यूथ 45 किग्रा (क्लीन और) में कांस्य जर्क) ज्योशना सबर¬ महिला यूथ 40 किग्रा में स्वर्ण (कुल) ज्योशना सबर¬ महिला यूथ 40 किग्रा में स्वर्ण (स्नैच) ज्योशना सबरः महिला यूथ 40 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में स्वर्ण, बाबूलाल हेम्ब्रोमः पुरुष यूथ 49 किग्रा में कांस्य, प्रीतिस्मिता भोई¬ महिला यूथ 45 किग्रा (क्लीन एंड जर्क) में रजत, अस्मिता धोने¬ महिला यूथ 49 किग्रा।

बच्चियों के सुरक्षा और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नहीं है कस्तूरबा की वार्डेन- प्रियंका मौर्या

जहानागंज आजमगढ़ नगर पंचायत जहानागंज बाजार क्षेत्र के सैय्यद मोड पर स्थित कस्तूरबा आवासीय बालिका विद्यालय का निरीक्षण बुधवार को राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉक्टर प्रियंका मौर्या ने दोपहर 1:30 बजे कस्तूरबा आवासीय विद्यालय पहुंची और देखा कि गेट खुला हुआ था जिस पर प्रभारी वार्डन नीलम को काफी फटकार लगाई इसके बाद आज बच्चियों के नाश्ते में दूध केला अंकुरित चना देना था जो बच्चियों को नहीं मिला था इस पर भी प्रभारी वार्डन को काफी डांट पड़ी इसके बाद डॉक्टर प्रियंका मौर्या ने बीएसए राजीव पाठक से फोन पर बात की और सारी स्थिति से अवगत कराते हुए बताएं कि यहां गंदगी के साथ-साथ कोई गार्ड भी गेट पर नहीं रहता है जो बच्चियों के साथ सुरक्षा की दृष्टिकोण खिलवाड़ किया जा रहा है आप जल्दी से सारी व्यवस्था सही कराएं, प्रभारी वार्डन नीलम ने बताया कि 100 बच्चियों का नामांकन है जिसमें आज मौके पर 60 बच्चियों उपस्थित थी हम लोग दो लोग केवल परमानेंट टीचर है गणित विज्ञान और अंग्रेजी का कोई टीचर नहीं है इसलिए बच्चियों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में कठिनाई हो रही है इस पर आयोग के सदस्य डॉक्टर प्रियंका मौर्या ने बीएसए राजीव पाठक को बताया कि आप यहां जल्द से जल्द अच्छे टीचर दीजिए और बच्चियों के सुरक्षा और स्वास्थ्य की व्यवस्था अच्छी करिए मीनू के अनुसार भोजन दीजिए अन्यथा की स्थिति में शासन में मैं आपके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए मजबूर हो जाऊंगी।

इनरव्हील क्लब वाराणसी मित्रम शाखा द्वारा कंबल और सिलाई मशीन का किया गया वितरण

इनरव्हील क्लब वाराणसी मित्रम शाखा द्वारा मंडलाध्यक्ष आशा अग्रवाल की आधिकारिक यात्रा सम्पन्न

वाराणसी:- इनरव्हील क्लब वाराणसी मित्रम शाखा द्वारा मंडलाध्यक्ष आशा अग्रवाल की आधिकारिक यात्रा संकट मोचन पर आकर खत्म हुई` इस यात्रा के तहत कुष्ठ आश्रम में 101 कंबल एवं निर्धन कन्या को सिलाई मशीन वितरण किया गया` संस्था की अध्यक्ष ममता पंडया द्वारा सभी का स्वागत किया गया,सचिव श्वेता मिश्रा ने अपने कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की वितरण में मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष सरोज राय,निशा अग्रवाल,निशा गुप्ता,सुषमा अग्रवाल,शतरूपा केसरी उपस्थित रही, संचालन प्रियंका दुबे ने किया

पत्रकारिता केवल खबर तक सीमित नहीं, बल्कि समाज सेवा भी इसका अहम हिस्सा: हरिनारायण यादव

गाजीपुर। यूनाइटेड मीडिया पत्रकार एसोसिएशन द्वारा 24 दिसंबर 2024 को एक सामाजिक पहल के तहत निशुल्क भोजन वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह आयोजन सिटी रेलवे स्टेशन गाजीपुर पर किया गया, जिसमें गरीबों, असहायों और जरूरतमंदों को भोजन प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समाज के उन वर्गों की मदद करना था, जिन्हें कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है और जिन्हें हर रोज भोजन की व्यवस्था नहीं हो पाती। कार्यक्रम की शुरूआत शाम 6:30 बजे से हुई, जब एसोसिएशन के सदस्य और स्थानीय पत्रकारों की एक टीम ने भोजन तैयार कर वितरण कार्य की शुरूआत की। एसोसिएशन के अध्यक्ष उपेन्द्र यादव ने बताया कि यह कार्यक्रम समाज में जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और सहायता की भावना को बढ़ावा देने के लिए आयोजित किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि एसोसिएशन का यह प्रयास लगातार जारी रहेगा और ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के कमजोर वर्ग की मदद की जाएगी।

इस कार्यक्रम में गाजीपुर शहर के विभिन्न हिस्सों से लोग शामिल हुए। भोजन वितरण के दौरान एसोसिएशन के सदस्यों ने लोगों से स्वास्थ्य संबंधित सुझाव भी साझा किए, और साथ ही, एसोसिएशन ने यह सुनिश्चित किया कि सभी भोजन वितरण स्थल पर स्वच्छता और सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया जाए।

कार्यक्रम के दौरान एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष आशीष गुप्ता, सीमित नहीं है, बल्कि समाज सेवा भी इसका अहम हिस्सा है।

सहकारिता के माध्यम से गांवों में समृद्धि लाकर ही भारत के विकास की जा सकती है कल्पना

भांवरकोल /गाजीपुर। क्षेत्र कुंडेसर स्थित अशोक संस्थान में आयोजित जामवंत मिशन के तहत एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्टी को संबोधित करते हुए भारत सरकार के पूर्व सचिव एवं गाजीपुर जनपद के पूर्व जिलाधिकारी सहित विभिन्न पदों पर रहकर देश की सेवा करने वाले डॉ कमल टावरी ने गांव के लोगों को 'धंधा बढ़ाने का धंधा' के लिए आपस में सहकारिता की भावना का विकास करते हुए लोगों को स्थानीय स्तर व्यापक विचार रखा।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

सलाहकार संपादक:
रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद
दानिश फारुक्की ,

सह संपादक: राम सिंह यादव

उक्त सभी पद अवैतनिक है

विश्वकर्मा समाज ने पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह की मनाई पुण्य तिथि

वाराणसी :- भारत के पूर्व राष्ट्रपती रहे ज्ञानी जैल सिंह एवं विश्वकर्मा समाज के धरोहर एवं चौकाघाट विश्वकर्मा सभा के पूर्व संस्थापक स्व डॉ एस० नाथ की जयंती विश्वकर्मा समाज के द्वारा मनाई गई एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया ` आज विश्वकर्मा समाज के लोगो ने चौकाघाट विश्वकर्मा सभा के अध्यक्ष रामचंद्र शर्मा के नेतृत्व मे चौकाघाट स्थित विश्वकर्मा पंचायती बाग मे पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिह के पुण्य तिथि के अवसर पर उनके तैल चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर याद किया संगोष्ठी मे विश्वकर्मा समाज से जुड़े विभिन्न राजनीतिक दल के साथ साथ समाज के बुध्दिजीवी वर्ग के लोग उपस्थित रहे संगोष्ठी को सपा के वरिष्ठ नेता एवं अखिल भारतीय विश्वकर्मा शिल्पकार महासभा के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा "विश्वकर्मा" ने संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञानी जैल सिंह के कार्यशैली एवं निर्णय पर पुरे हिन्दुस्तान मे विश्वकर्मा समाज के लोग कायल थे उनका खास नाता विश्वकर्मा समाज से था एवं विश्वकर्मा समाज के लोग उतनी ही गहराई से जानते और समझते थे उनका जन्म का जन्म फरीद कोट जिले के संधवान मे 5 मई 1916 मे हुआ था जो बढई गीरी से जुड़े थे एवं पिछड़ी जाति के थे उरई पंजाब प्रांत के सिख समुदाय मे बढई परिवार मे जन्मे स्व.ज्ञानी जैल सिह देश के उच्चतम पद पर पहुंचकर विश्वकर्मा समाज का गौरव व मान-सम्मान बढ़ाने का कार्य किया उन्होने कहा कि ज्ञानी जैल सिंह 15 वर्ष की उम्र में ही बिट्रिश विरोधी मुहिम जुड़ गए थे पंजाब के गरीब बढ़ई परिवार में उनका जन्म हुआ था ज्ञानी जैल सिंह देश के एकमात्र सिख राष्ट्रपति रहे हैं उनका वास्तविक नाम जरनैल सिंह था इनका जन्म 5 मई 1916 को फरीदकोट-कोटकपूरा हाइवे पर स्थित संधवां गांव में हुआ था उनके पिता भाई किशन सिंह एक समर्पित सिख थे वह गांव में ही बढ़ई का कार्य करते थे` छोटी उम्र में ही जरनैल सिंह की माता का देहांत हो गया था उनका पालन-पोषण उनकी मौसी ने किया आपरेशन ब्लू स्टार के दौरान ज्ञानी जैल सिंह ही राष्ट्रपति थे इसके अलावा भारतीय डाक विधेयक जिसके अंतर्गत निजी पत्रों के संप्रेषण और आदान-प्रदान पर आधिकारिक सेंसरशिप लगाने का प्रावधान लागू किया जा सकता था,जैसे कठोर विधेयक को पास न करने पर भी ज्ञानी जैल सिंह का तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी से भी मनमुटाव हो गया था उन्होंने अपने कार्यकाल में यह बात प्रमाणित कर दी थी कि जनता और देश का विकास ही उनकी प्राथमिकता है कार्यक्रम में सपा के वरिष्ठ नेता एवं विश्वकर्मा समाज के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा "विश्वकर्मा",शोभनाथ विश्वकर्मा,रामचंद्रशर्मा,अनिल शर्मा,डॉ सुनिल विश्वकर्मा,आचार्य राजेश विश्वकर्मा, नित्यानंद विश्वकर्मा,राजकुमार विश्वकर्मा, सुशील शर्मा,सुनिल विश्वकर्मा,शंकर विश्वकर्मा,प्रभु दयाल विश्वकर्मा,महेंद्र कुमार विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे`

जब तक किसान की हालत देश में नहीं बदलेगी कोई ताकत हमें विकसित भारत नहीं बना सकती- एलजी मनोज

गाजीपुर। आधुनिक जमाने में ई बैंकिंग की सुविधा बहुत आवश्यक हो गई है। अब सहकारी बैंकों को भी उस दिशा में सोचने की आवश्यकता है। नेट बैंकिंग, ई बैंकिंग किस तरह से हम जल्दी से जल्दी कैसे लागू कर सकते हैं, ताकि जो गैप है उसे भरा जा सके। बुधवार को यह बात जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जिला पंचायत हाल में जिला सहकारी बैंक के एटीएम कार्ड की सेवा का शुभारंभ करते हुए कहा उन्होंने कहा कि जिन कारणों से मुख्य रूप से बैंक घाटे में रहा करते थे। वह कारण जल्दी से जल्दी समाप्त हो सके, यह आवश्यक है।जितना लाभांश अर्जित होगा बैंक किसान को उतना ही धन देने में, सहकारी समितियों को पुनर्जीवित करने में सहयोगी होगा। उन्होंने कहा कि जो लक्ष्य देश के सामने है उसको प्राप्त करने के लिए हमें फिर से अपनी अर्थव्यवस्था को तेज गति से आगे बढ़ाना होगा। जब तक किसान व कृषि की हालत देश में नहीं बदलेगी तब तक कोई ताकत हमें विकसित भारत नहीं बना सकती । उन्होंने कहा कि पिछले 10-11 वर्षों में भारत सरकार ने अनेक प्रयास किए हैं इन प्रयासों को और तेज गति से हमें आगे बढ़ना है। सहकारिता एवं सहकारी बैंकों का इसमें बड़ा योगदान होगा जब तक इनपुट क्रेडिट किसान को नहीं मिलेगा तब तक सस्ते दर पर खेती करने के लिए किसान को धन नहीं मिलेगा। किसान की तब तक खेती अच्छी नहीं होगी। उसमें सहकारी बैंक की बड़ी भूमिका है। मनोज सिन्हा ने बैंक अध्यक्ष और प्रबंधन की मुक्त कंठ से प्रसंशा करते हुए कहा कि बैंक को मजबूत बनाने में इन लोगों ने अथक प्रयास किया है।सहकारिता क्षेत्र के कारण ग्रामीण भारत को विकास की जो गति मिलनी चाहिए थी किन्हीं कारणो से कुछ वर्षों तक वह अवरूद्ध हो गई थी। देश के दूसरे राज्यों को जब हम देखते हैं तो यह समझ में आता है कि सहकारिता के कारण कृषि के लिए उपलब्ध कराए जाने वाला धन खास तौर से किसानों के लिए बड़ी मात्रा में राज्यों को मिलता था। अनुपात के तौर पर देश के बाकी हिस्सों से पूर्वी उत्तर प्रदेश और जब गाजीपुर की तुलना हम करते हैं तो वह धनराशि बहुत सीमित थी।उन्होंने कहा कि लंबे समय तक घाटे में चलने वाला सहकारी बैंक आज लाभ अर्जित कर रहा है, यह हम सबके लिए प्रसन्नता का विषय है। इसके लिए अध्यक्ष एवं निदेशक मंडल का कृतज्ञता ज्ञापित करता हूं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार सहकारिता मंत्रालय भारत सरकार का बनाया, अमित शाह ने एक नया प्रयत्न सहकारिता के क्षेत्र में शुरू किया। जितनी पैक्स है,प्राथमिक समितियां हैं कैसे उन्हें आर्थिक रूप से पुनर्जीवित किया जा सके। सहकारी बैंकों को कैसे पुनर्जीवन मिल सके और पूरे देश में सहकारिता को लेकर एक नया दृष्टिकोण सामने रखा है। उन्होंने कहा कि डेढ़ लाख से ज्यादा नई समितियां देश में फिर से बनाई गई हैं। जो लक्ष्य रखा गया है सही दिशा में भारत आगे की ओर बढ़ रहा है जो देशवासियों का प्रधानमंत्री के कारण संकल्प है 2047 में जब देश आजादी का शताब्दी वर्ष मनाए तो हम एक विकसित भारत बन सकें।उन्होंने कहा कि एक समय था जब दुनिया की व्यवस्था में हमारे देश का योगदान किसी अन्य देश से ज्यादा होता था अगर हम इतिहास की बात करें तो 11वीं शताब्दी के आसपास विश्व के अर्थव्यवस्था में भारत का योगदान 33% से ज्यादा हुआ करता था आज जो दुनिया के विकसित देश माने जाते हैं उनका योगदान हमारी तुलना में बहुत कम हुआ करता था उन्होंने कहा कि 15वीं शताब्दी आते-आते हमारा योगदान घटकर 25% हो गया आक्रांताओं का दौर आया ,विदेशी आक्रांता आए धन, यश, वैभव सब कुछ लूटकर हमारा ले गए ,जिसके कारण हमारी अर्थव्यवस्था खराब हुई और जब देश हमारे महान स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्षों के कारण 1947 में आजाद हुआ तब 1950 में जो सर्वेक्षण किया गया उसमे स्थिति इतनी खराब हो गई थी की नई जीडीपी में हमारा हिस्सा सिर्फ 4% रह गया था जो देश कभी 33% योगदान देता था वह घटकर 4% हो गया हमें उन कारणों पर विचार करने की जरूरत है। जब-जब विभाजनकारी शक्तियों ने या आक्रांताओं ने देश को गुलाम बनाया हम आर्थिक रूप से विपन्न हो गए ।इतिहास ने फिर से करवट बदली, चक्र घूमा 2014 में और 2023 में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने जो सर्वेक्षण किया है उसके हिसाब से दुनिया के अर्थव्यवस्था में हमारा योगदान प्रतिशत 15% हो गया है।मनोज सिन्हा सहित मंचासीन अतिथियों ने एटीएम कार्ड का अनावरण कर लोकार्पण किया।जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष सरोजेश सिंह ने मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ, स्मृति चिन्ह व अंगवस्त्र से स्वागत अभिनन्दन किया। संचालन प्रवीण कुमार सिंह ने किया।

अटल बिहारी वाजपेई की 100वीं जयंती मनाई गई

भांवरकोल/ गाजीपुर। क्षेत्र के नरसिंहपुर मांचा स्थिति बाबा रामयश हाईस्कल प्रांगण में केक काटकर भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेजी की आज बुधवार को100वीं जयंती को अटल बिहारी वाजपेयी की याद में सुशासन दिवस के रूप में भी मनाया गया। वहीं भाजपा और उसके एनडीए सहयोगी ने पूर्व पीएम की 100वीं जयंती धूमधाम से युवा नेता पीयूष राय के नेतृत्व में मनाई गयी। इस मौके पर प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क पर पदयात्रा के बाद उनके तैल चित्र पर पुष्पांजलि कर अपने नेता को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया गया।इस मौके पर पियूष राय ने कहा कि एनडीए सरकार में बाजपेई जी ने तब सत्ता संभाली थी जब देश में राजनीतिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा था। ऐसे में एक सामान्य परिवार से आकर अटल जी ने देश को स्थिरता एवं सुशासन का मॉडल दिया। वे भविष्य के भारत के परिकल्पना पुरुष थे। भारत के सूदूर इलाकों को भी महानगरों से जोड़ने के लिए सफल प्रयास किया। ?उनकी सरकार में शुरू हुई स्वर्णिम चतुर्भुज योजना में भारत के शहरों को एक सूत्र में जोड़ने का कार्य किया जो आज भी लोगों की स्मृतियों में अमिट है। उनके कार्यकाल में ही प्रधानमंत्री सड़क योजना के कार्य शुरू हुए। वे प्रखर वक्ता, साहित्यकार एवं कवि थे। उन्होंने संसद में कहा था की सरकारें आएंगी जाएंगी, राजनीति दल बनेंगे बिगड़ेंगे, परंतु देश रहना चाहिए। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष शशांक शेखर राय, सतीष राय मनोज पाण्डेय, राजेश मिश्रा सहित काफी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गुरुकुल पद्धति के माध्यम से आत्मनिर्भर शिक्षक छात्र एवं आत्मनिर्भर भारत

दिल्ली। यह कहने में कोई अतिरेक नही है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति में गुरुकुलों का महत्वपूर्ण एवं सर्वोच्च स्थान था। गुरुकुलों में शिक्षा, संस्कार, राष्ट्रबोध, धर्म, सँस्कृति का विवेक और जीवन कौशल प्रबंधन द्वारा आत्मनिर्भरता का समावेश होता था, जो विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर और समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाता था। यह प्रणाली केवल शैक्षिक ज्ञान तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की भावना को प्रोत्साहित करती थी। आज भी, यदि हम गुरुकुलों की परंपरा को समझें और उसे समकालीन शिक्षा व्यवस्था में लागू करें, तो हम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम योगदान दे सकते हैं। गुरूकुल रोजगार के कई प्रकार के अवसर भी प्रदान करते थे। गुरुकुल समाज के लिए मात्र न शैक्षिक केंद्र होते थे, बल्कि वे एक प्रकार के सामुदायिक और सामाजिक विकास एवं चिंतन केंद्र भी थे, जहाँ से विभिन्न प्रकार के कार्यों और रोजगार के अवसर उत्पन्न होते थे।

डिप्लोमा इन्जीनियर्स एसोसिएशन, उ०प्र० आवास एवं विकास परिषद की 28वीं केन्द्रीय कार्यकारिणी का निर्वाचन एसोसिएशन के केन्द्रीय कार्यालय "दत्तभवन" सी-331. इन्दिरा नगर, लखनऊ में

मुख्य अतिथि डा० बलकार सिंह, आई.ए.एस. आवास आयुक्त. विशिष्ट अतिथि डा० नीरज शुक्ला, आई.ए.एस. अपर आवास आयुक्त एवं सचिव एवं अति विशिष्ट अतिथि इं० डी० वी० सिंह, मुख्य अभियन्ता, निम्नलिखित सभी पदाधिकारी सर्वसम्मति से निर्विरोध निर्वाचित घोषित किये गये।

प्रान्तीय अध्यक्ष इं० अमरजीत सिंह यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष परीक्षक-द्वितीय) इं० शिवकीर्तिसचिव (प्रचार/प्रकाशन) ३० मोहित कुमार ओझा

सांसद साक्षी महाराज का विवादित बयान: बोले - "मंदिरों को तोड़कर बनाई गई मस्जिदें"

उन्नाव। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने एक बार फिर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि इस देश में मंदिरों को तोड़-तोड़कर कुछ 'जिहादी टाइप' के लोगों ने मस्जिदों का निर्माण किया। सांसद साक्षी महाराज ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक राष्ट्र है। जो हमारे पास वैदिक संपदा है, दुनिया में किसी के पास नहीं है।

अखिल भारतीय चौरसिया महासभा एवं चौरसिया समाज बनारस द्वारा आयोजित दो दिवसीय महासम्मेलन सम्पन्न

वाराणसी :- अखिल भारतीय चौरसिया महासभा एवं चौरसिया समाज बनारस द्वारा आयोजित दो दिवसीय महासम्मेलन गणेश मण्डपम् नाटी इमली में शानदार और सुनियोजित रूप से सम्पन्न हुई` कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि सिक्किम के पूर्व राज्यपाल बाबू गंगा प्रसाद चौरसिया,विशिष्ठ अतिथि कैलाश चौरसिया,सुरेन्द्र चौरसिया विधायक रामपुर कारखाना,राजेन्द्र चौरसिया विधायक दतिया म.प्र.,अशोक चौरसिया (महामंत्री काशी क्षेत्र भा.ज.पा.),रा.अध्यक्ष प्रदीप चौरसिया,रा.महासविच सुधीर चौरसिया, प्रदेश अध्यक्ष डा.अजय चौरसिया,जगत नारायण चौरसिया वरिष्ठ सपा नेता,पूर्व मंत्री रामलखन चौरसिया, बिहार प्रदेश अध्यक्ष देव कुमार चौरसिया, म.प्र.अध्यक्ष राजेश महतो ने दीप प्रज्जवलीत एवं पिछड़ों के मसीहा बाबू शिव दयाल सिंह चौरसिया एवं चौऋषि महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया कार्यक्रम में चौरसिया समाज की सेवा में अपना जीवन समर्पित करने वाले दो वरिष्ठ समाजसेवी पूर्व मंत्री रामलखन चौरसिया एवं देवनारायण गुप्ता को मुख्य अतिथि द्वारा चौरसिया रत्न से सम्मानित किया गया विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ठ योगदान देने वाले 14 स्वजातिय बन्धुओं सुरेश चौरसिया (पूर्व उपसभापति), डा.संजय चौरसिया (बाल रोग विशेषज्ञ पी.एम.सी.हास्पिटल), डा.स्वेता चौरसिया (स्त्री रोग विशेषज्ञ), डा.शालिनी जायसवाल (आर.एस. डायग्नोस्टिक), इन्द्रजीत वर्मा (फायर इन्सपेक्टर भेलुपुर),पी.के.चौरसिया (एक्जीक्यूटिव इन्जिनियर पीडब्लूडी सिंगरौली),शिवानी चौरसिया (एस.डी.एम. चन्दौली),डा.नीपू चौरसिया,डा.रजनी चौरसिया,डा.रंजू चौरसिया (अथर्व हास्पिटल),डा.आकांक्षा चौरसिया (असिस्टेन्ट प्रोफेसर) बसन्ता कालेज, मनोज चौरसिया मि.यू.पी.बाडी बिल्डिंग 2023,शुभम कुमार इसके आलावा संरक्षण मण्डल के 13 सदयों को सम्मानित किया गया

मुख्य अतिथि गंगा बाबू चौरसिया ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम अखिल भारतीय चौरसिया महासभा द्वारा निरन्तर पूरे देश के विभिन्न प्रदेशों में आयोजित किया जा रहा है जो आगे चलकर समाज के सामाजिक राजनैतिक विकास में मील का पत्थर साबित होगा इसके लिए अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के सभी पदाधिकारीयों को मै बहुत-बहुत साधूवाद देता हूँ

विशिष्ठ अतिथि पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया ने कहा की मै निरन्तर अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के कार्यक्रम के जरिए यह देख रहा हूँ हमारा समाज आज की तारीख में सम्पूर्ण देश में संगठित है जिसके फल स्वरूप हमारे समाज में राजनैतिक चेतना का संचार दिखाई दे रहा है राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप चौरसिया नें कहा कि हमारा समाज आज सभी क्षेत्र में उल्लेखनिय रूप से अपनी उपरिथिति दर्ज करा रहा है आज हमारे समाज में हजारों की संख्या में डाक्टर इन्जिनियर,मैनेजमेंट अधिकारी तथा सैकड़ों की संख्या में (आई.ए.एस.),(पी.सी.एस.) देश को अपनी सेवा प्रदान कर रहे है` इस कार्यक्रम के जरिए हम अपनी राजनैतिक भगीदारी की पुरजोर माँग करते है राष्ट्रीय महासचिव सुधीर चौरसिया ने कहा कि महा सम्मेलन के साथ साथ आज वैवाहिक परिचय का कार्यक्रम भी आयोजित है जिसके द्वारा सैकड़ो युवक युवतियों को अपना जीवन साथी चुनने में आसानी हुई `हमारा समाज सामाजिक आर्थिक शैक्षणिक रूप से मजबूत हुआ है अखिल भारतीय चौरसिया महासभा राष्ट्रीय प्रभारी टी.एन.चौरसिया ने कहा कि अखिल भारतीय चौरसिया महासभा के ट्रस्ट चौरसिया फाउन्डेशन द्वारा दिल्ली में आर्थिक रूप से छात्रों के लिए निःशुल्क रहकर पढ़ाई पूरी करने का अवसर प्रदान करेगी,इसी चौरसिया भवन में हमारा केन्द्रीय कार्यालय भी होगा प्रदेश अध्यक्ष डा.अजय चौरसिया ने बताया कि दो दिवसीय महासम्मेलन गणेश मण्डप नाटी इमली में सम्पन्न हुआ इस महा सम्मेलन में पूरे देश से चौरसिया बन्धुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई एवं एकजुट होकर अपनी एकता का संदेश देते हुए अपनी राजनैतिक शुन्यता को समाप्त करने के लिए पुरजोर ढंग से सभी राजनैतिक दलों से अपनी सहभागिता की माँग की` चौरसिया समाज उत्तर प्रदेश में 50 से ज्यादा सीटों पर हार जीत का निर्णय करने में सक्षम है जो दल हमारे समाज को उचित सहभागिता देगा उसको हमारा समाज मजबुती से साथ देगा` कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व मंत्री कैलाश चौरसिया विधायक सुरेन्द्र चौरसिया,जगत नारायण चौरसिया, टी.एन.चौरसिया,अशोक चौरसिया भा.ज.पा.,रत्ना चौरसिया,गणेशनी चौरसिया,नितेश चौरसिया,बाबूलाल बरई,लालमन चौरसिया,प्रमिला चौरसिया, रमेश चौरसिया राजेश महतो,दीपक चौरसिया,हजारी प्रसाद चौरसिया,मनोज चौरसिया,सरिता चौरसिया,प्रीती चौरसिया, प्रतिभा चौरसिया,रेखा चौरसिया,श्यामा चौरसिया,राजीव चौरसिया,शिवकुममार चौरसिया,रमाकान्त चौरसिया,संजीव चौरसिया,लालता चौरसिया,सुनिल चौरसिया,अनूप चौरसिया,हरिओम चौरसिया,सोहनलाल चौरसिया,विजय चौरसिया,विकास चौरसिया,राखी चौरसिया,अभिनव चौरसिया सहित हजारों की संख्या में चौरसिया बन्धु उपस्थित रहे

क्रिकेट प्रतियोगिता में बल्ले व गेंद से बेहतरीन प्रदर्शन

अंकित सिंह ने शतक लगाकर अपने टीम को दिलाई जीत

जहानागंज आजमगढ़ नगर पंचायत जहानागंज बाजार क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय जहानागंज के प्रांगण में बुधवार को एक दिवसीय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था जिसमें जहानागंज के परिषदीय स्कूलों के शिक्षकों ने अपने कला का प्रदर्शन किया मंत्री एकादश तथा अध्यक्ष एकादश के बीच 10 ओवरों के मैच खेला गया जिसमें मंत्री एकादश के कैप्टन डॉक्टर विवेक सिंह टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया 10 ओवरों में कुल 137 रन बनाए जिसमें ओपनिंग बल्लेबाज अंकित सिंह ने शतक लगाकर अपने टीम को विजय दिलाई 137 रन के मुकाबले अध्यक्ष एकादश ने 98 रन पर ही ऑल आउट हो गए ओपनिंग बल्लेबाज बलवंत सिंह ने मयंक यादव के पहली ही गेंद पर आउट हो गए इस तरह पूरी जल्दी जल्दी आउट हो गई मैच काफी रोमांटिक रहा तथा मैच के दौरान लोगों की काफी भीड़ रही है

डाक्टर विवेक सिंह ने कहा कि ऐसे समय समय पर कार्यक्रमों से शरीर स्वस्थ रहता है तथा मानसिक तनाव से मुक्ति मिलती है और भाई चारा बना रहता है इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक अध्यक्ष अनिल सिंह ,मंत्री शिव प्रकाश चौबे, डॉ विवेक सिंह, कमलेश पांडे।

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी